सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 43 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 15 मार्च, 2024

मूल्य ₹ 3/-

शिखर तक पहुंचने के लिए ताकत चाहिए होती है, चाहे वो माउन्ट एवरेस्ट का शिखर हो या आपके पेशे का।
-डॉ. अब्दुल कलाम

मुंबई का 42वीं बार रणजी ट्रॉफी... 7 | बनने लगे सियासी समीकरण, नेताओं... 3 | यूपी में भाजपा को 80 सीटों पर... 2

अरबों के चंदे के धंधे ने तो भाजपा को मुंह दिखाने लायक भी नहीं छोड़ा

विपक्ष ने मोदी सरकार व बीजेपी पर साधा निशाना

- » कुल 22, 217 इलेक्टोरल बॉण्ड बेचे गये, सबसे ज्यादा बॉण्ड भाजपा के
- » कांग्रेस बोली- 18,871 बॉण्डों की ही जानकारी सामने आई, बाकी 3,346 बॉण्डों की छिपाई गई जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मोदी सरकार के कई बार अड़ंगा लगाने की साजिश के बावजूद व सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद आखिरकार चुनाव आयोग ने इलेक्टोरल बॉण्ड मामले में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) से मिला डेटा अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। चुनाव आयोग की वेबसाइट में 763 पेजों की दो लिस्ट डाली गई है। एक लिस्ट में इलेक्टोरल बॉण्ड खरीदने वालों की डिटेल है, दूसरी लिस्ट में राजनीतिक पार्टियों को मिले बॉण्ड का ब्यौरा है। इस खुलासे में सबसे ज्यादा चंदा बीजेपी ने लिया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि कुल 22,217 बॉण्ड बेचे गए जबकि केवल 18,871 की ही जानकारी दी गई। बाकी के 3,346 बॉण्ड की जानकारी आखिर क्यों छिपाई गई।

इस लिस्ट आने के बाद बीजेपी व मोदी सरकार को मुंह छिपाने के लिए जगह नहीं मिल रही है। उसके झंडाबरदार जवाब नहीं दे पा रहे हैं और बगले झांक रहे हैं। वहीं इसको लेकर विपक्ष ने मोदी सरकार व बीजेपी को घेरना शुरू कर दिया है। मामला इतना बड़ा है कि यह लोक सभा चुनाव-24 में कहीं भाजपा के लिए गले की फांस ने बन जाए। ज्ञात हो कि सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान बेंच ने 15 फरवरी को इलेक्टोरल बॉण्ड की बिक्री पर रोक लगा दी थी। एसबीआई ने मंगलवार शाम 5.30 बजे चुनाव आयोग को डेटा सौंप दिया था। इसके बाद ईसी ने गुरुवार को इसे सार्वजनिक किया। इससे पहले 11 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने बैंक को फटकार लगाई थी।

तीन इंटरग्लोब इकाइयों ने 36 करोड़ रुपये के चुनावी बॉण्ड लिए

इन आंकड़ों से पता चलता है कि तीन इंटरग्लोब इकाइयों ने 36 करोड़ रुपये के चुनावी बॉण्ड खरीदे थे। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो का संचालन करने वाली कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने चार अक्टूबर, 2023 को पांच करोड़ रुपये के चुनावी बॉण्ड खरीदे थे। आंकड़ों के मुताबिक, इंटरग्लोब एयर ट्रांसपोर्ट ने 11 करोड़ रुपये के चुनावी बॉण्ड खरीदे जबकि इंटरग्लोब रियल एस्टेट वेंचर्स ने 20 करोड़ रुपये के बॉण्ड खरीदे थे। दोनों इकाइयों ने 10 मई, 2019 को बॉन्ड खरीदे। इसके अलावा इंडिगो की प्रवर्तक कंपनी ने सात अप्रैल, 2021 को 20 करोड़ रुपये के चुनावी बॉण्ड खरीदे थे। आंकड़ों से पता चलता है कि स्पाइसजेट ने तीन अलग-अलग मौकों पर 65 लाख रुपये के चुनावी बॉण्ड खरीदे। स्पाइसजेट ने ये बॉण्ड आठ जनवरी, 2021, नौ अप्रैल, 2021 और नौ जुलाई, 2021 को खरीदे। इंटरग्लोब और स्पाइसजेट की ओर से इस सूचना पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

पार्टियों व कंपनियों के नाम के खुलासे

चुनाव आयोग के डेटा के मुताबिक, इलेक्टोरल बॉण्ड के जरिए बीजेपी, कांग्रेस,एआईडीएमके, बीआरएस, शिवसेना, टीडीपी, वाईएसआर कांग्रेस को डोनेशन मिला। इलेक्टोरल बॉण्ड के खरीदारों में अपोलो टायर्स, लक्ष्मी मित्तल, एडलवाइस, पीवीआर, केवेंटर, सुला वाइन, वेलस्पन और सन फार्मा शामिल हैं। इलेक्टोरल बॉण्ड के जरिए राजनीतिक दलों को चंदा देने वालों में टोरेंट पावर, भारती एयरटेल, डीएलएफ कमर्शियल डेवलपर्स, वेदांता लिमिटेड भी शामिल हैं। ग्रासिम इंडस्ट्रीज, मेघा इंजीनियरिंग, पीरामल एंटरप्राइजेज ने भी राजनीतिक दलों को चंदा दिया है।

3 मूल्यवर्ग के बॉण्ड की खरीद की जानकारी

चुनाव आयोग की वेबसाइट में अपलोड की गई सारी जानकारी 3 मूल्यवर्ग के बॉण्ड की खरीद से जुड़ा हुआ है। इलेक्टोरल बॉण्ड 1 लाख रुपये, 10 लाख रुपये और 1 करोड़ रुपये के खरीदे गए हैं। हालांकि, दी गई जानकारी में ये पता लगाने का कोई तरीका नहीं है कि किस कंपनी ने किस पार्टी को डोनेशन दिया है।

शीर्ष तीन खरीदारों ने कुल 2,744 करोड़ रुपए के बॉण्ड खरीदे

जानकारी के लिए बता दें कि राजनीतिक दलों को गोपनीय चंदा देने वाली योजना में शीर्ष तीन खरीदारों ने कुल 2,744 करोड रुपए के बॉण्ड की खरीदारी की है। वेबसाइट पर अपलोड किए गए डाटा के अनुसार लक्ष्मी मित्तल, सुनील मित्तल की भारतीय एयरटेल, अनिल अग्रवाल की वेदांता लिमिटेड, आईटीसी, महिंद्रा ऐंड महिंद्रा जैसी कंपनियों के नाम शामिल है।

किस डोनर ने दिया कितना चंदा

फ्यूचर गेमिंग और होटल सर्विसेज	- 1,368 करोड़ रुपये
मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड	- 966 करोड़ रुपये
क्विक सप्लाई चेन प्राइवेट लिमिटेड	- 410 करोड़ रुपये
वेदांता लिमिटेड	- 400 करोड़ रुपये
हल्दिया एनर्जी लिमिटेड	- 377 करोड़ रुपये
भारती ग्रुप	- 247 करोड़ रुपये
एस्सेल माइनिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड	- 224 करोड़ रुपये
वेस्टर्न यूपी पावर ट्रांसमिशन	- 220 करोड़ रुपये
केवेंटर फूडपार्क इन्फ्रा लिमिटेड	- 194 करोड़ रुपये
मदनलाल लिमिटेड	- 185 करोड़ रुपये
डीएलएफ ग्रुप	- 170 करोड़ रुपये
यशोदा सुपर स्पेशियल्टी हॉस्पिटल	- 162 करोड़ रुपये
उत्कल एल्यूमिना इंटरनेशनल	- 145.3 करोड़ रुपये
जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड	- 123 करोड़ रुपये
बिड़ला कार्बन इंडिया	- 105 करोड़ रुपये
रूंगटा संस	- 100 करोड़ रुपये
डॉ रेड्डीज	- 80 करोड़ रुपये
पीरामल एंटरप्राइजेज ग्रुप	- 60 करोड़ रुपये
नवयुग इंजीनियरिंग	- 55 करोड़ रुपये
शिरडी साई इलेक्ट्रिकल्स	- 40 करोड़ रुपये
एडलवाइस ग्रुप	- 40 करोड़ रुपये
सिप्ला लिमिटेड	- 39.2 करोड़ रुपये
लक्ष्मी निवास मित्तल	- 35 करोड़ रुपये
ग्रासिम इंडस्ट्रीज	- 33 करोड़ रुपये
जिंदल स्टेनलेस	- 30 करोड़ रुपये
बजाज ऑटो	- 25 करोड़ रुपये
सन फार्मा लैबोरेटरीज	- 25 करोड़ रुपये
मैनकाइंड फार्मा	- 24 करोड़ रुपये
बजाज फाइनेंस	- 20 करोड़ रुपये
मारुति सुजुकी इंडिया	- 20 करोड़ रुपये
अल्ट्राटेक	- 15 करोड़ रुपये
टीवीएस मोटर्स	- 10 करोड़ रुपये

चंदा प्राप्त करने वाले दस प्रमुख दल

पार्टी	धनराशि करोड़ों में	पार्टी	धनराशि करोड़ों में	पार्टी	धनराशि करोड़ों में
भाजपा	6060	बीआरएस	1214	वाईएसआर कांग्रेस	337
टीएमसी	1609	बीजद	775	शिवसेना	158
कांग्रेस	1421	डीएमके	639	राजद	72.50

बॉण्ड नंबरों का खुलासा नहीं करने पर एसबीआई को सुप्रीम फटकार

इलेक्टोरल बॉण्ड मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को फटकार लगाते हुए नोटिस जारी किया है। अदालत ने बैंक से पूछा है कि बॉण्ड नंबरों का खुलासा क्यों नहीं किया। बैंक ने अल्फा न्यूमिरिक नंबर क्यों नहीं बताया। अदालत ने एसबीआई को बॉण्ड नंबर का खुलासा करने का आदेश दिया है। अदालत का आदेश है कि सील कवर में रखा गया डेटा चुनाव आयोग को दिया जाए, क्योंकि उनको इसे अपलोड करना है, अदालत ने कहा कि बॉण्ड खरीदने और भुनाने की तारीख बतानी चाहिए थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ईसी में अपलोड करने के लिए डेटा जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि बॉण्ड नंबरों से पता चल सकेगा कि किस दानदाता ने किस पार्टी को चंदा दिया। अब मामले में अगली सुनवाई सोमवार को यानी कि 18 मार्च को होगी। पहले इस मामले पर आज ही सुनवाई होनी थी और इसकी लाइव स्ट्री मिंग भी की जानी थी। लेकिन अब सोमवार को मामले पर सुनवाई होगी।

यूपी में भाजपा को 80 सीटों पर मिलेगी हार : शिवपाल

» विपक्षी गठबंधन इंडिया की स्थिति मजबूत

» भाजपा जनता को परेशान करने के लिए कुछ भी कर सकती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बदायूं। समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता शिवपाल यादव ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश से चुनावी हुंकार भर दी है। सपा के दिग्गज नेता ने दावा किया कि विपक्षी दलों का समूह इंडिया प्रदेश में सभी 80 सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराएगा। उन्होंने बदायूं से अपना चुनाव अभियान जनसंपर्क यात्रा शुरू की पार्टी द्वारा बदायूं लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाए गए शिवपाल यादव ने यह भी कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा को उनके खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं मिल रहा है। इससे पहले, सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर उन्होंने कहा, आज से बदायूं लोकसभा क्षेत्र में जनसंपर्क हेतु यात्रा पर हूं। मेरा इस क्षेत्र से दशकों पुराना आत्मीय रिश्ता है।

मन में बदायूं से जुड़े ढेरों किस्से और यादें हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में शायर शकील बदायुनी साहब का शेर में साझा किया। बदायूं रवाना होने से पहले सुबह इटावा में से कहा, बदायूं मेंसे जनसंपर्क शुरू हो रहा है। बदायूं समाजवादी पार्टी का एक मजबूत गढ़ रहा है। नेताजी से लेकर प्रोफेसर साहेब (रामगोपाल यादव) और धर्मेंद्र यादव यहां से सांसद रहे हैं। अब मैं आया हूं। धर्मेंद्र यादव ने इस सीट से 2009 और 2014 का लोकसभा चुनाव जीता था। यादव ने कहा, पहले उन्हें (भाजपा) अपना उम्मीदवार घोषित करने दें.. इंडिया उन्हें सभी 80 सीट पर हराएगा। सपा और कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनावों के लिए गठबंधन की घोषणा की है और सीट बंटवारे के तहत सपा 63 और कांग्रेस 17 सीट पर चुनाव लड़ेगी। बदायूं पहुंचने पर शिवपाल यादव का भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने कहा, बदायूं का विकास मेरी पहली प्राथमिकता होगी।

भाजपा सरकार में नारी का मान व जान दोनों खतरे में : अखिलेश

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा शहर की सैफई यूनिवर्सिटी की एएनएम फर्स्ट ईयर छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर सवाल उठाया है। दरअसल, छात्रा का शव सड़क किनारे से बरामद हुआ है। मामले की जानकारी यूनिवर्सिटी के छात्रों को लगते ही छात्र बड़ी तदाद में यूनिवर्सिटी के बाहर जमा हो गए और इस घटना को लेकर हंगामा करना शुरू कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्?टमार्टम के लिए भेज कर जांच शुरू कर दी है।वहीं अब इस मामले में सियासत भी देखने को मिल रही है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस घटना को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोला है। इस घटना को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने एक्स पर लिखा, सैफई यूनिवर्सिटी में संदिग्ध परिस्थितियों में हुई छात्रा की मौत अत्यंत गंभीर विषय है। ये है उप्र में भाजपा के समय अपराध के ख़िलाफ़ ज़ीरो टॉलरेंस की घोषित नीति के ज़ीरो हो जाने का एक और बेहद दुखद उदाहरण। इस कथित हत्या की न्यायिक जाँच हो, जिससे बीएचयू और सैफई विवि जैसी घटनाओं में लिप्त लोगों का सच सामने आ सके और सरकार चाहकर भी उनको न बचा सके। भाजपा सरकार नारी का न मान बचा पा रही है, न उसकी जान।

सपा प्रवक्ता सुमैया राना को पुलिस ने किया नजरबंद

सपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सपा महिला सभा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुमैया राना को पुलिस ने बृहस्पतिवार रात उनके आवास पर ही नजरबंद कर दिया। सीएए लागू होने के विरोध में धरना-प्रदर्शन की आशंका के मद्देनजर यह कदम उठाया गया। हालांकि, पुलिस का कहना था कि यह निगरानी भर है। उधर, सुमैया ने आरोप लगाया कि यह व्यवहार पूरी तरह गलत है। वे सीएए का हमेशा विरोध करती रहेंगी और इस बार और बड़ा आंदोलन किया जाएगा। मरहूम शायर मुनव्वर राना की बेटी सुमैया शिवम टाकीज के पास सिल्वर लाइन अपार्टमेंट में रहती हैं। पुलिस को आशंका है कि शुक्रवार को सीएए के विरोध में शहर में धरना-प्रदर्शन किया जा सकता है। इसे रोकने के लिए यह कार्रवाई की गई है। एडीसीपी सेंट्रल मनीषा सिंह का कहना है कि जुमे के मद्देनजर निगरानी के लिए पुलिस बल की तैनाती की गई है। नजरबंद जैसी कोई बात नहीं है।

नागरिकता (संशोधन) कानून (सीएए) के नियमों को अधिसूचित किए जाने के मोदी सरकार के हालिया फैसले के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, देखिए, भाजपा जनता को परेशान करने के लिए कुछ भी कर सकती है।

ममता के माथे पर लगी गंभीर चोट, अस्पताल में इलाज के बाद मिली छुट्टी

» प्रधानमंत्री मोदी ने शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के माथे पर गंभीर चोट लग गई। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने यह जानकारी दी। टीएमसी प्रमुख बनर्जी (69) को एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें कुछ टांके लगाए गए और चिकित्सा जांच की गई। बाद में चिकित्सकों ने उन्हें छुट्टी दे दी।

अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद बनर्जी को घर ले जाया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बनर्जी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं ममता दीदी के शीघ्र स्वस्थ होने और उनके अ'छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करता हूं। ममता बनर्जी के परिवार ने कहा कि वह एक कार्यक्रम में हिस्सा लेकर दक्षिण कोलकाता के कालीघाट स्थित अपने घर पहुंची थीं। घर में वह गिर गईं। टीएमसी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमारी अध्यक्ष ममता बनर्जी को गंभीर चोट लगी है। कृपया उनके लिए प्रार्थना करें। पार्टी ने बनर्जी के माथे से खून बहने की तस्वीरों को भी पोस्ट किया है। टीएमसी सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। ममता के भाई कार्तिक बनर्जी ने बताया, वह घर के अंदर गिर गईं। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। उनके माथे से खून बह रहा था और टांके लगाने पड़े। बनर्जी को कोलकाता के सरकारी एसएसकेएम अस्पताल के वुडबर्न वार्ड में भर्ती कराया गया, जहां से बाद में उन्हें छुट्टी दे दी गई। कई प्रमुख हस्तियों ने ममता बनर्जी के जख्मी होने पर दुख व्यक्त किया और उनके जल्द ठीक होने की कामना की।

राहुल ने त्रयंबकेश्वर में की पूजा

» भारत जोड़ो न्याय यात्रा महाराष्ट्र में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राहुल गांधी की अगुवाई वाली भारत न्याय यात्रा आजकल महाराष्ट्र पहुंची है। इसी के मद्देनजर ठाणे में निषेधाज्ञा, ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। पुलिस ने कहा, ''गांधी को जेड प्लस सुरक्षा प्रदान की गई है। ठाणे जिले की ग्रामीण सीमा में वह जहां रुकेंगे वहां पैराशूट के इस्तेमाल और ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध रहेगा।'

यात्रा के सिलसिले में गांधी नासिक में थे। वहां उन्होंने त्रयंबकेश्वर शिव मंदिर में पूजा अर्चना की। जिला प्रशासन की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह आदेश ठाणे कलेक्टर अशोक शिंगारे द्वारा दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत जारी किया गया है। आदेश में कहा, ''भारत जोड़ो न्याय यात्रा 15 मार्च को ठाणे जिले की ग्रमीण सीमा में प्रवेश करेगी और सोनले, भिवंडी में रुकेगी। 16 मार्च को यह ठाणे शहर पुलिस आयुक्तालय की सीमा की तरफ बढ़ेगी।'' इसमें कहा, ''गांधी को जेड प्लस सुरक्षा प्रदान की गई है।

बसपा बढ़ाएगी भाजपा की परेशानी

» आगरा के लिए प्रत्याशी की घोषणा आज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। आगरा में सबसे पहले प्रत्याशी घोषित करने वाली बसपा इस बार भाजपा से पिछड़ गई है। शुक्रवार को बसपा के राष्ट्रीय महासचिव मुनकाद अली पार्टी के मंडल कार्यालय पर प्रत्याशी के नाम की घोषणा करेंगे।

बसपा नेताओं के मुताबिक अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित आगरा लोकसभा सीट पर जाटव प्रत्याशी तय किया है। बसपा मंडल कॉर्डिनेटर गोरेलाल ने बताया कि स्थानीय स्तर पर कई नामों पर विचार किया गया था, जिसमें से कुछ नामों का पैनल बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष को भेजा गया था। इसकी घोषणा शुक्रवार दोपहर को कार्यकर्ताओं के सामने कर दी जाएगी। फतेहपुर सीकरी लोकसभा के प्रत्याशी के नाम का एलान भी जल्द कर दिया जाएगा।

बीजेपी में शामिल हो सकते हैं बसपा पार्षद

लोकसभा चुनाव के लिए इस बार सबसे पहले भाजपा ने अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी। वर्तमान सांसद एसपी सिंह बघेल को पार्टी ने प्रत्याशी बनाया। शुक्रवार को जब बसपा अपने प्रत्याशी के नाम की घोषणा करेगी, उसी समय बसपा के पार्षदों समेत निर्दलीय पार्षदों को भाजपा में शामिल कराने की योजना है। शुक्रवार दोपहर में भाजपा के बृज क्षेत्र कार्यालय पर निर्दलीय और बसपा पार्षद भाजपा का दामन थाम सकते हैं। देर रात तक भाजपा नेता इस कार्यक्रम की तैयारी में जुटे रहे।

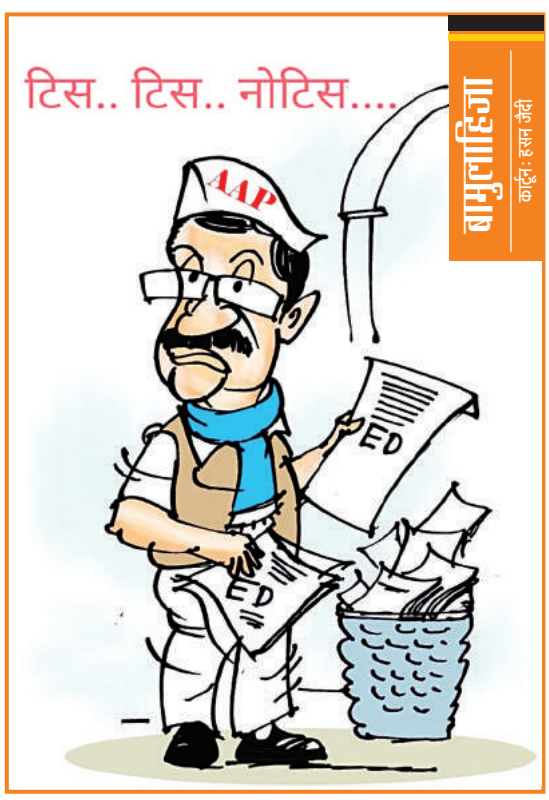

पीएम की मर्जी से चुने गए निर्वाचन आयुक्त : पवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद गुट) के प्रमुख शरद पवार ने कहा कि निर्वाचन आयुक्तों को चुनने की नयी प्रणाली से पता चलता है कि उनके चयन पर अंतिम निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का होता है। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने नये निर्वाचन आयुक्त के रूप में बृहस्पतिवार को पूर्व नौकरशाह सुखबीर सिंह संधू और ज्ञानेश कुमार के नाम की सिफारिश की। चयन समिति की अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं और इसमें सरकार द्वारा नामित एक केंद्रीय मंत्री और लोकसभा में सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता सदस्य होते हैं।

पवार ने कहा, इससे पहले, दो केंद्रीय मंत्रियों के साथ उच्चतम न्यायालय के एक न्यायमूर्ति भी निर्वाचन आयुक्तों के चयन की प्रक्रिया का हिस्सा थे। हालांकि, हाल ही में चयन प्रक्रिया में कुछ बदलाव किए गए और उन्होंने शीर्ष अदालत के न्यायमूर्ति को इस प्रक्रिया से हटा दिया। उन्होंने कहा, नयी प्रणाली के अनुसार दो (केंद्रीय) मंत्रियों और विपक्ष के नेता को निर्वाचन आयुक्तों का चयन करने का अधिकार दिया गया है। इसका मतलब है कि केवल उन्हीं (उम्मीदवारों) को नियुक्त किया जाएगा जिसे मोदी जी तय करेंगे। इस नयी व्यवस्था से नियुक्तियां मनमर्जी से होंगी।

बनने लगे सियासी समीकरण, नेताओं ने कसी कमर

कांग्रेस व भाजपा में होगा जोरदार मुकाबला

- लोकसभा-24 चुनाव में दिलचस्प होगी लड़ाई
- राजग व इंडिया गठबंधन ने सीटों पर बनाई सहमति
- मोहब्बत की दुकान व नफरत के बाजार का रहेगा शोर
- बिहार में राजग व इंडिया गंठबंधन में सीट बंटवारें पर बनी बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक तरफ जहां नए चुनाव आयुक्तों की घोषणा हो चुकी है। मोदी सरकार ने भी अपनी योजनाओं के फीते ताबड़तोड़ काट लिए है वहीं विपक्ष ने भी अपने तीर-तरकश साध लिए है। बिहार से लेकर महाराष्ट्र तक में गठबंधनों बिगड़ते-बिगड़ते बात बनने लगी है। बिहार में राजग व महागठबंधन में सीटों पर रार समाप्ति की ओर है। पंजाब में आप ने कांग्रेस से सहमति से उम्मीदवार तलाश लिए हैं। यूपी में कांग्रेस व सपा में सबकुछ तय हो गया है। बीजेपी ने भी साथियों को संतुष्ट कर दिया है। हालांकि महाराष्ट्र, जम्मू कश्मीर में इंडिया गठबंधन में रार अभी शांत नहीं हुई है। कुछ सीटों को लेकर बात बिगड़ी हुई है। बिहार में सीट बंटवारे को लेकर बात बनती नजर आ रही है। इंडिया गठबंधन में जहां राजद, कांग्रेस में सबकुछ निश्चत है वहीं राजग में मामला सुलट गया है। बीजेपी के बिहार प्रभारी विनोद तावड़े का बयान आया है कि अगले 24 घंटे में सीटों का बंटवारा हो जाएगा और तस्वीर जल्द ही साफ हो जाएगी।

माना ये जा रहा था कि एलजेपी के दोनों धड़ों की वजह से ये सीट बंटवारा अटका हुआ था और एनडीए की तरफ से बिहार की सीटों को लेकर ऐलान नहीं किया जा रहा था। कहा जा रहा था कि हाजीपुर सीट को लेकर चिराग पासवान और उनके चाचा पशुपति पारस के बीच खींचतान चल रही थी। दोनों ही इस सीट पर अपनी दावेदारी जता रहे थे। पशुपति पारस हाजीपुर सीट से ही लोकसभा सांसद हैं। चिराग पासवान ने रैली में जिस तरह से अपने तेवर दिखाए थे। उसके बाद से ये कयास लगाए जाने लगे थे कि चिराग के मन में आखिर क्या है? वहीं अब सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि बिहार में सीटों को लेकर फॉर्मूला तय हो गया है। जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा को 1 सीट, उपेंद्र कुशवाहा को 1 सीट और पशुपति पारस को समस्तीपुर की सीट मिल सकती है। जबकि कहा जा रहा है कि चिराग पासवान को हाजीपुर समेत 4 सीट मिल सकते हैं। वहीं बिहार में एनडीए गठबंधन की बड़ी सहयोगी जेडीयू को 16 सीटें दी जा सकती हैं।

एलजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। एलजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने ट्वीट किया करते हुए कहा कि एनडीए के सदस्य के रूप में आज बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ बैठक में हमने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए बिहार में सीट बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया है। इसकी घोषणा उचित समय पर की जाएगी। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए चिराग ने कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि मैं पीएम नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट करता हूं। एनडीए के साथ जो हमारा पुराना गठबंधन रहा है उसे आज पुन: एक नई मजबूती देने का कार्य हुआ...लोकसभा चुनाव को लेकर आज जब सीटों का बंटवारा हो चुका है, गठबंधन का स्वरूप पूरी तरह से तैयार हो चुका है, तो इस मौके पर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह का धन्यावाद करता हूं। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा, मैं पीएम नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट करता हूं, एनडीए के साथ जो हमारा पुराना गठबंधन रहा है उसे आज पुन: एक नई मजबूती देने का कार्य हुआ। लोकसभा चुनाव को लेकर आज जब सीटों का बंटवारा हो चुका है, गठबंधन का स्वरूप पूरी तरह ठीक है।

हरियाणा में बदलेगा चुनावी दृश्य

लोकसभा चुनावों में हरियाणा की दसों सीटों को दोबारा से जीतने के लिए भाजपा ने नए सिरे से बिसात बिछा दी है। एंटी इंकम्बेंसी को देखते हुए भाजपा ने नई रणनीति तैयार की है। मोदी लहर में पुराने चेहरों की बजाए भाजपा नए चेहरों को चुनावी मैदान में उतार रही है। भाजपा ने तीन दिग्गजों राव इंद्रजीत सिंह, कृष्ण पाल गुर्जर और चौधरी धर्मबीर सिंह पर दोबारा से विशवास जताया है, जबकि दो मौजूदा सांसदों की टिकटें काटकर नए चेहरों पर दांव खेला है। इससे पहले हिसार से सांसद रहे बृजेंद्र सिंह पहले ही टिकट कटने के आभास से पार्टी छोड़ चुके हैं। शेष चार सीटों पर अभी पेंच फंसा है, संभावना है कि इन चारों सीटों पर भी भाजपा नए मोहरों की तलाश कर रही है, ऐसे में मौजूदा सांसदों की टिकट कटना लगभग तय है। तीसरी बार मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए भाजपा ने हरियाणा की दसों लोकसभा सीटों को जीतने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए प्रदेश सरकार के साथ-साथ हाईकमान ने भी पूरी ताकत झोंकी हुई है। हरियाणा को लेकर भाजपा हाईकमान कितना गंभीर है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि खुद मुख्यमंत्री मनोहर लाल को मैदान में उतार दिया है। इससे भाजपा ने साफ संकेत दिए है कि मनोहर लाल अब केंद्र की राजनीति करेंगे। इसी प्रकार, कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष रहे और सिरसा से सांसद रह चुके अशोक तंवर पर भी बड़ा दांव खेला है। अभी हुड्डा के गढ़ रोहतक और सोनीपत में प्रत्याशी फाइनल करने पर पेच फंसा हुआ है। यहां से अरविंद शर्मा और रमेश कौशिक सांसद हैं। सोनीपत सांसद की एक सीडी सोशल मीडिया में आने के बाद से उनका टिकट कटना तय है। इसके अलावा, अरविंद शर्मा की सीट बदली जा सकती है, उनको सोनीपत भेजा जा सकता है। रोहतक में अभिनेता रणदीप हुड्डा का नाम चल रहा है। इसी प्रकार, कुरुक्षेत्र और हिसार में भी पेच फंसा है। कुरुक्षेत्र से आप पहले ही सुशील गुप्ता को उतार चुकी है, भाजपा उद्योगपति नवीन जिंदल को उतारने की तैयारी में है, लेकिन अभी तक इसे अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। हिसार से कुलदीप बिशनोई के नाम की चर्चा है।जजपा से भाजपा का गठबंधन हिसार और भिवानी सीट को लेकर टूटा है। जजपा दोनों सीटें अपने खाते में मांग रही थी, लेकिन भाजपा ने इंकार कर दिया। संभावना है कि इसी सप्ताह में शेष चारों सीटों पर भी प्रत्याशी घोषित कर दिए जाएंगे।

महाराष्ट्र में सियासी उठापटक जारी

महाराष्ट्र में राजनैतिक उठापटक जारी है। कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने अपनी नाराजगी जाहिर की है। लेकिन अब खबर है कि संजय निरुपम ने अपने पुराने सहयोगी और बीजेपी सांसद अशोक चव्हाण से मुलाकात की है। इस दौरे से राजनीतिक गलियारों में चर्चा छिड़ गई है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने शरद पवार की फोटो का इस्तेमाल करने पर अजित पवार गुट को फटकार लगाई है। कोर्ट ने अजीत पवार गुट द्वारा पोस्टरों में शरद पवार की तस्वीर लगाने पर नाराजगी भी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि आप (अजित पवार गुट) शरद पवार का नाम क्यों इस्तेमाल कर रहे हैं। जब चुनाव आता है तो आपको उनके नाम की आवश्यकता होती है। और जब चुनाव नहीं होते हैं तो आपको उनकी आवश्यकता नहीं होती। आपकी अलग पहचान है, उसी पर आगे बढ़े। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने अजीत पवार गुट से अंडरटेकिंग देने को भी कहा है. जिसमें इस बात का जिक्र होगा कि वो अब शरद पवार की तस्वीर का इस्तेमाल नहीं करेंगे. इस मामले में अब अगली सुनवाई 18 मार्च को होगी। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के महाराष्ट्र आते ही कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पूर्व मंत्री पद्माकर वलवी ने कांग्रेस छोड़ बीजेपी का दामन थामा, क्या इसके बाद कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगेगा? ऐसी चर्चाएं तब शुरू हो गई हैं जब संजय निरुपम ने अशोक चव्हाण से मुलाकात की है। उद्धव ठाकरे द्वारा अमोल कीर्तिकर को मुंबई उत्तर-पश्चिम लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार घोषित करने के बाद संजय निरुपम नाराज हैं। संजय निरुपम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपनी नाराजगी जाहिर की है। लेकिन अब खबर है कि संजय निरुपम ने अपने पुराने सहयोगी और बीजेपी सांसद अशोक चव्हाण से मुलाकात की है। इस दौरे से राजनीतिक गलियारों में चर्चा छिड़ गई है।

निरुपम व चव्हाण की मुलाकात के मायने

संजय निरुपम ने अशोक चव्हाण से उनके आवास पर मुलाकात की है। हालाँकि बातचीत का विवरण अभी भी गुप्त है, अगर संजय निरुपम ने कोई अलग निर्णय लिया, तो महाविकास अघाड़ी को नुकसान हो सकता है। इस बीच बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर कोई विकास के लिए आ रहा है तो उनका स्वागत है। इस बीच अशोक चव्हाण ने संजय निरुपम के दौरे पर प्रतिक्रिया दी है। संजय निरुपम मेरे पुराने मित्र हैं, उनकी और मेरी मुलाकात कभी-कभी होती है। जनमत के मुताबिक लोगों का मूड बीजेपी के साथ है। कांग्रेस में अब भी व्यक्तिगत रिश्ते हैं। चव्हाण ने कहा कि पुराने नेता मिलते रहते हैं और जो आना चाहते हैं उनका स्वागत करते हैं। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएंगे तस्वीर साफ होती जाएगी। अशोक चव्हाण ने संकेतात्मक बयान दिया है कि कई जिलों में सुगबुगाहट चल रही है, इसलिए बहुत सारे लोग हमारे पास आएंगे। उद्धव ठाकरे द्वारा अमोल कीर्तिकर की उम्मीदवारी की घोषणा के बाद संजय निरुपम ने खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की। संजय निरुपम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उद्धव ठाकरे की शिवसेना से नाराजगी जताई। शिवसेना ने अंधेरी से उत्तर पश्चिम लोकसभा के लिए महा विकास अघाड़ी के उम्मीदवार की घोषणा की है। महाविकास अघाड़ी की दो दर्जन बैठकों के बाद भी सीट बंटवारे के फॉर्मूले पर कोई अंतिम फैसला नहीं हो सका है। निरुपम ने कहा कि सीट आवंटन बैठकों में भाग लेने वाले मेरे कांग्रेस सहयोगियों ने मुझे बताया कि यह सीट उन 8-9 सीटों में से है, जिन पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। फिर भी अगर शिवसेना उम्मीदवार घोषित कर रही है तो क्या यह गठबंधन धर्म का उल्लंघन नहीं है?

भाई से दीदी ने किया किनारा

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हावड़ा लोकसभा सीट से प्रसून बनर्जी को मैदान में उतारने के तृणमूल कांग्रेस के फैसले पर नाराजगी व्यक्त करने के बाद अपने छोटे भाई स्वपन बनर्जी से नाता तोड़ने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे लोगों की उम्र बढ़ती है, उनका लालच भी बढ़ता है। हमारे परिवार में कुल 32 लोग हैं। मैं उन्हें अपने परिवार का सदस्य नहीं मानती। आज के बाद कोई भी उन्हें मेरे भाई के रूप में पेश नहीं करेगा। मैंने उससे अपना रिश्ता तोड़ने का पूरी तरह से फैसला कर लिया है। प्रसून बनर्जी अर्जुन पुरस्कार विजेता हैं और वह हमारी पार्टी द्वारा नामित उम्मीदवार हैं। स्वपन बनर्जी, जो इस समय अपने रिश्तेदार के इलाज के लिए दिल्ली में हैं, ने इंडिया टुडे को फोन पर बताया कि तृणमूल कांग्रेस को हावड़ा लोकसभा सीट के लिए किसी अन्य सक्षम उम्मीदवार को टिकट देना चाहिए था। स्वपन बनर्जी, जिन्हें बाबुन बनर्जी के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने कहा कि मैं हावड़ा लोकसभा सीट से उम्मीदवार के चयन से खुश नहीं हूं। प्रसून बनर्जी सही विकल्प नहीं हैं। कई सक्षम उम्मीदवारों को नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि हावड़ा से प्रसून बनर्जी सबसे खराब संभावित उम्मीदवार हैं। पार्टी ने नए चेहरों को मैदान में उतारा, जिनमें पूर्व भारतीय क्रिकेटर यूसुफ पठान और कीर्ति आज़ाद और अभिनेता रचना बनर्जी शामिल हैं, और अभिनेता नुसरत जहां सहित मौजूदा सांसदों को हटा दिया गया। कैश-फॉर-क्वेरी मामले में लोकसभा से निष्कासित महुआ मोइत्रा को उनके पूर्व निर्वाचन क्षेत्र कृष्णानगर से मैदान में उतारा गया था। जनवरी में ममता बनर्जी ने कहा था कि कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे में मतभेद के बाद उनकी पार्टी अकेले लोकसभा चुनाव लड़ेगी, जिसके बाद तृणमूल कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा की।

पंजाब में आप फिर छोड़ेगी छाप

आम आदमी पार्टी ने पंजाब में ज्यादा से ज्यादा सीटे कब्जाने की जुगत लगा ली है। विधान सभा चुनावों की तरह 24 के लोक सभा चुनावों वह एकबार फिर अपनी धाक जमाने की कोशिश में जुटी है। उसने अपने आठ उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इन उम्मीदवारों में पांच मंत्री शामिल हैं। लिस्ट में शामिल एक नाम ने सबको चौंका दिया है। पार्टी की तरफ से अमृतसर से कुलदीप सिंह धालीवाल, खडूर साहिब से लालजीत सिंह भुल्लर, फरीदकोट से कर्मजीत अनमोल, बठिंडा से गुरमीत सिंह खुड्डियां, पटियाला से डॉ. बलबीर सिंह और संगरूर से गुरमीत सिंह मीत हेयर को चुनाव मैदान में उतारा गया है। वहीं जालंधर से मौजूदा सांसद सुशील रिंकू को टिकट दिया गया है। कुछ दिन पहले ही कांग्रेस से आम आदमी पार्टी में शामिल हुए गुरप्रीत सिंह जीपी को फतेहगढ़ साहिब से मैदान में उतारा गया है। पंजाब की 13 लोकसभा सीटों में से आप ने अभी गुरदासपुर, होशियारपुर, आनंदपुर साहिब, लुधियाना और फिरोजपुर से उम्मीदवारों के नाम का एलान नहीं किया है। लिस्ट में सबसे चौंकाने वाला नाम कर्मजीत अनमोल का है। वे सीएम भगवंत मान के काफी करीबी माने जाते हैं। अनमोल एक बेहतरीन कॉमेडियन और एक्टर हैं। आप ने जालंधर रिजर्व सीट से मौजूदा सांसद सुशील रिंकू को ही टिकट दी है। रिंकू पहले कांग्रेस में थे। जालंधर के सांसद चौ. संतोख सिंह के निधन के बाद उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी थी और आप की टिकट पर उपचुनाव जीता था। वे पंजाब में आप के इकलौते सांसद हैं। वहीं फतेहगढ़ साहिब से मैदान में उतारे गए गुरप्रीत जीपी पांच दिन पहले ही कांग्रेस छोड़कर आप में शामिल हुए थे। आप में शामिल होने के बाद उन्होंने पंजाब कांग्रेस में अनुशासनहीनता का आरोप लगाते हुए कहा था कि कांग्रेस में भाई-भतीजावाद है। हर नेता अपने परिवार के बारे में सोचता है। लेकिन आम आदमी पार्टी आम जनता के प्रतिनिधियों की पार्टी है, इसलिए उन्होंने आप में शामिल होने का फैसला किया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बालिकाओं की बराबरी की सिर्फ बातें न हों !

अभी 8 मार्च को विश्व महिला दिवस मनाया गया । पूरे भारत में भी इसको लेकर पूरे जोरशोर से कई कार्यक्रम किए गए। इसमें कई जगहों पर हवाई जहाजों, रेलों व अन्य परिवहन संबधी कार्यों में महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। हालांकि अब भी देश के कई हिस्सों में महिलाओं व बालिकाओं के साथ भेदभाव की खबरें आती रहती हैं। इन भेदभावों को दूर करने की आवयकता है। बातें नहीं इस पर कुछ ठोस काम होना चाहिए। देश की बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने तथा समाज में उनके साथ होने वाले भेदभाव के खिलाफ देशवासियों को भी जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 24 जनवरी को 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' मनाया जाता है। बेटियों के साथ परिवार में होने वाले भेदभाव के खिलाफ समाज को जागरूक करने के लिए देश की आजादी के बाद से ही प्रयास होते रहे हैं।

एक समय में अधिसंख्य परिवारों में बेटी को परिवार पर बोझ समझा जाता था। यहां तक कि बहुत-सी जगहों पर तो बेटियों को जन्म लेने से पहले कोख में ही मार दिया जाता था। यही कारण था कि बहुत लंबे अरसे तक कई राज्यों में लिंगानुपात गड़बड़ाया रहा। यदि बेटी का जन्म हो भी जाता था तो उसका बाल-विवाह कराकर उसकी जिम्मेदारी से मुक्ति पाने की सोच समाज में बनी हुई थी। आजादी के बाद से बेटियों के प्रति समाज की इस सोच को बदलने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं बनाई गईं और कानून लागू किए गए। आज बालिकाएं भी हर क्षेत्र में राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। अब तो वे सेना में भी बढ़-चढ़कर अपना पराक्रम दिखा रही हैं। पहली बार साल 24 जनवरी, 2009 को देश में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। यह दिवस मनाये जाने की शुरुआत के पीछे प्रमुख कारण यही था कि वर्ष 1966 में इसी दिन 'आयरन लेडी' के रूप में इंदिरा गांधी भारत की पहली प्रधानमंत्री बनी थी। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य भारत की बालिकाओं को सहायता और अवसर प्रदान करते हुए उनके सशक्तीकरण के लिए उचित प्रयास करना है। यूनिसेफ के मुताबिक प्रत्येक लड़की को सुरक्षित, स्वस्थ और शिक्षित बचपन का अधिकार है। भारत में आजादी के बाद से ही सरकारों ने बालिकाओं की स्थिति में सुधार लाने के लिए निरन्तर कदम उठाए हैं। समाज में लड़का-लड़की के भेदभाव को खत्म करने के उद्देश्य से ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, लड़कियों के लिए मुफ्त अथवा रियायती शिक्षा, कॉलेजों तथा विश्वविद्यालयों में महिलाओं के लिए आरक्षण जैसे अनेक अभियान और कार्यक्रम शुरू किए गए। उम्मीद की जानी चाहिए आने वाले साल उनके लिए और अच्छे होंगे।

"हालांकि अब भी देश के कई हिस्सों में महिलाओं व बालिकाओं के साथ भेदभाव की खबरें आती रहती हैं। इन भेदभावों को दूर करने की आवयकता है। बातें नहीं इस पर कुछ ठोस काम होना चाहिए। देश की बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने तथा समाज में उनके साथ होने वाले भेदभाव के खिलाफ देशवासियों को भी जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 24 जनवरी को 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' मनाया जाता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता के लिए सार्थक पहल

विश्वनाथ सचदेव

चुनावी बॉन्ड की व्यवस्था जब से हुई थी, उसके औचित्य पर सवालिया निशान लग रहे थे। शंका इस बॉन्ड को लेकर नहीं, इसके बारे में जनता को जानकारी न देने को लेकर थी। यह तो देश के मतदाता को बताया जा रहा था कि कितने के बॉन्ड बिके और किस पार्टी के हिस्से में कितने रुपये आये, पर यह बताने से लगातार इंकार किया जाता रहा कि पैसा दिया किसने। यह जानकारी यदि मतदाता को मिल जाती तो शायद उसे यह भी समझ आ जाता कि बॉन्ड खरीदने वाले ने किसको क्या दिया और उसके बदले में उसे क्या मिला? यही बात थी जिसे छिपाया जा रहा था। लेकिन क्यों? क्यों मतदाता को यह पता न चले कि किस धन्नासेठ ने किस राजनीतिक दल को कितना दिया है? एक तरफ तो हमने जानकारी के अधिकार को जनतांत्रिक मूल्य के रूप में स्वीकारा है, और दूसरी ओर राजनीतिक दलों और कार्पोरेट के आर्थिक रिश्तों पर इस तरह पर्दा डालने की कोशिश का क्या मतलब निकाला जाये?

मतलब साफ है। इस व्यवस्था के चलते राजनीतिक दल, विशेषकर सत्तारूढ़ दल के लिए अपने आर्थिक व्यवहार की अनियमितता को छिपाना आसान हो रहा था। जनतांत्रिक मूल्यों की लड़ाई लड़ने वाले इस 'आसानी' का विरोध कर रहे थे। मामला अदालत में पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्णय दिया कि मतदाता को यह जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है कि किसने किस राजनीतिक दल को कितना पैसा दिया है। इसके साथ ही न्यायालय ने चुनावी बॉन्ड जारी करने वाले स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को एक निश्चित तिथि तक यह सारी जानकारी देने का निर्देश भी दिया था। लेकिन आश्चर्य की बात है कि उस तिथि के एक दिन पहले स्टेट बैंक ने न्यायालय को यह बताया कि जानकारी उपलब्ध कराने के लिए उसे अधिक समय की आवश्यकता है। उसने 'अधिक समय' को भी परिभाषित किया- बैंक ने जानकारी देने के लिए उतना समय मांगा था, जितने में देश में आम चुनाव हो जाते।

मतलब साफ था- बैंक चाहता था कि उक्त जानकारी चुनाव के बाद दी जाये ताकि सत्तारूढ़ दल को होने वाला संभावित खतरा टल जाये। यह निश्चित रूप से तो नहीं कहा जा सकता कि जानकारी किसी दल विशेष के लिए ही खतरा उत्पन्न करती, पर यह अनुमान लगाना स्वाभाविक है कि यह खतरा सत्तारूढ़ दल के लिए अधिक होता।

इसीलिए स्टेट बैंक की इस पेशकश को सत्तारूढ़ दल के बचाव की एक कोशिश समझा गया। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि चुनावी बॉन्ड के बारे में जानकारी उपलब्ध न कराने के लिए स्टेट बैंक बहानेबाजी ही कर रहा था। उच्चतम न्यायालय ने इस बहानेबाजी को समझा और स्पष्ट शब्दों में बैंक को निर्देश दिया कि एक दिन में ही सारी जानकारी चुनाव-आयोग को उपलब्ध कराये और चुनाव-आयोग को भी निर्देश दे दिये गये कि वह भी एक निश्चित दिन तक यह जानकारी देश के मतदाता तक पहुंचा दे। न्यायालय की इस कार्रवाई और निर्णय को जनतांत्रिक अधिकारों की रक्षा की कोशिश के रूप में समझा जा रहा है, हालांकि ऐसे लोग भी हैं जो यह मानते है कि उच्चतम न्यायालय अनावश्यक हस्तक्षेप कर रहा है। लेकिन हकीकत यह है कि ऐसे हस्तक्षेप की आवश्यकता भी थी और प्रतीक्षा भी। चुनावी बॉन्ड के बारे में बरती जा रही गोपनीयता ही सवालों के घेरे में नहीं थी, कंपनियों द्वारा राजनीतिक दलों को दिये जाने वाले चंदे की सीमा का समाप्त किया जाना भी संदेह उत्पन्न करने वाला था। पुरानी व्यवस्था के अनुसार कंपनियां अपने लाभ का सात प्रतिशत ही चुनावी चंदे के रूप में दे सकती थीं, यह सीमा हटाने का मतलब था कंपनियों को यह अवसर देना कि वे सम्बन्धित राजनीतिक दल को मनचाहा पैसा दे सकें। इसे रिश्वत के रूप में समझा जाना स्वाभाविक हो। शायद यही सब देखते हुए न्यायालय ने चुनावी बॉन्ड के संदर्भ में बरती जाने वाली गोपनीयता को अनावश्यक और अजनतांत्रिक माना। अब यह समझा जा सकता है कि जनता को यह पता चल सकेगा कि किस कंपनी या व्यक्ति ने किस पार्टी को कितना चंदा दिया और संभव है यह भी पता चल जाये कि इस चंदे के बदले में कोई अनुचित काम तो नहीं हुआ।

बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि उच्चतम न्यायालय का यह निर्णय चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने में मददगार सिद्ध होगा। उससे यह सवाल तो उठता ही है कि स्वायत्त सरकारी एजेंसियां सरकार के दबाव में तो काम नहीं कर रहीं? क्या कोई दबाव था उस पर? आयकर विभाग, प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई जैसी शक्तिशाली एजेंसियों पर सरकारी दबाव में काम करने के आरोप लगते ही रहते हैं, ऐसा नहीं है कि बैंकों पर सरकारें दबाव नहीं डालती रहीं, पर चुनावी बॉन्ड के मामले में स्टेट बैंक जैसी समर्थ संस्था पर सरकारी दबाव का ऐसा आरोप लगना जागरूक नागरिकों के लिए अतिरिक्त चिंता का विषय होना चाहिए।

फैसले से पूर्व ही पुरुष की खलनायक की छवि क्यों

डॉ. ऋतु सारस्वत

हाल ही में रोहिणी स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जगमोहन सिंह की अदालत ने सामूहिक दुष्कर्म की झूठी कहानी गढ़ने वाली महिला के विरुद्ध सीआरपीसी की धारा 344 के तहत आपराधिक मुकदमा चलाने के आदेश देते हुए टिप्पणी की, 'यह बेहद चिंताजनक स्थिति है कि महिलाएं दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराध में लोगों को फंसाने के लिए कानून का दुरुपयोग करती हैं। ऐसे मामलों में झूठा मुकदमा दर्ज करने वाली महिलाओं के साथ सख्ती से निपटा जाना जरूरी है। समाज में फैलते इस तरह के दीमक को समाप्त करने के लिए दुष्कर्म का झूठा आरोप लगाने वाली महिलाओं के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई अनिवार्य है।' ऐसा नहीं है कि झूठे दुष्कर्म के आरोप पर पहली बार न्यायालय ने ऐसी तल्ख टिप्पणी की हो। इससे पूर्व भी देशभर की अनेक अदालतों ने दुष्कर्म जैसे गंभीर मामले को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की बढ़ती प्रवृत्ति पर अपनी चिंता जाहिर की है।

दुष्कर्म एक सामान्य शारीरिक हमला नहीं है। यह अक्सर पीड़िता के पूरे व्यक्तित्व को छलनी कर देता है और उसकी आत्मा को अपमानित करता है। सामाजिक तथा न्यायिक व्यवस्था यह मानकर चलती है कि दुष्कर्म शारीरिक आघात से कहीं ज्यादा मानसिक पीड़ा देकर जाता है। इसलिए कोई भी महिला इसके मिथ्या आरोप नहीं लगा सकती। परंतु बीते दशकों में देशभर की अदालतों में दुष्कर्म के झूठे आरोप के संबंध में जो कुछ भी निर्णय दिए गए हैं वह स्पष्ट रूप से बताते हैं कि संवेदनशीलता समाज से लुप्त हो रही है। अब यक्ष प्रश्न यह है कि आखिर महिलाएं ऐसा कर क्यों रही हैं? इस प्रश्न के उत्तर के लिए अगस्त, 2021 के 'विमलेश अग्निहोत्री तथा अन्य बनाम राज्य' के मामले में न्यायालय की टिप्पणी को देखा जा सकता है। 'इस तरह की मुकदमे बेईमानवादियों द्वारा किए जाते हैं। इस उम्मीद से कि दूसरा पक्ष डर या लज्जा के कारण उसकी मांगों को मान लेगा।' यह स्पष्ट है कि दुष्कर्म के झूठे मामलों की मूल जड़ ईर्ष्या, लालसा और बदला लेने का भाव है।

अमूमन यह माना जाता है कि महिलाएं द्वेष-भाव से कोई कार्य नहीं करतीं विशेषकर वह कार्य जिससे उनके परिवार की छवि धूमिल हो अथवा उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा का हनन हो। इस सोच के पीछे सदियों से स्थापित वह विचारधारा है जो यह मानती है कि महिलाएं दयालु, सहृदय तथा सहनशील होती हैं और पुरुष निष्ठुर तथा असंवेदनशील। लेकिन आज तक कोई भी वैज्ञानिक शोध इस सिद्धांत को प्रस्थापित नहीं कर पाया है कि स्त्री और पुरुष के मध्य जैविक विभेद स्वभावगत विभेद का आधार है। यह पूर्वाग्रह, कि 'महिलाएं झूठ नहीं बोलती' विशेषकर यौन उत्पीड़न के संबंध, पुरुषों के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। इसमें किंचित भी संदेह नहीं कि यौन उत्पीड़न की घटना के लिए किसी साक्ष्य की आवश्यकता नहीं है और इसीलिए इसमें पीड़िता की बात को पुलिस, प्रशासन तथा न्यायालय द्वारा स्वीकार किया जाता है परंतु क्या महिलाएं सदैव सत्य ही बोलती हैं? यह एक ऐसा प्रश्न है जिसकी जटिलता को सुलझाने का देश की विभिन्न अदालतों ने समय-समय पर प्रयास किया है। जनवरी, 2006 में 'सदाशिव रामराव हदबे बनाम महाराष्ट्र राज्य एवं अन्य' में उच्च न्यायालय ने कहा था- 'यह सत्य है कि दुष्कर्म के मामले में अभियुक्त को अभियोजक की एकमात्र गवाही पर दोषी ठहराया जा सकता है, अगर वह न्यायालय के मन में यह विश्वास उत्पन्न करने में सक्षम हो।

यदि अभियोक्त्री द्वारा दिया गया बयान किसी भी चिकित्सा साक्ष्य से मेल नहीं खाता या आसपास की परिस्थितियां असम्भाव्य हैं अदालत अभियोजक के अकेले साक्ष्य पर कार्यवाही नहीं करेगी।' इसमें संदेह नहीं कि न्याय विधान लिंग भेद पर आधारित नहीं है परंतु यौन अपराधों जैसे गंभीर विषय पर सामाजिक व्यवस्था बेहद ही कठोर रुख अपनाते हुए अभियोक्त्री के कहने मात्र से पुरुष को अपराधी स्वीकार कर लेती है और उसे सामाजिक तथा मानसिक पीड़ा झेलने के लिए विवश करती है। महिलाओं को 'पीड़िता' तथा पुरुषों को 'शोषक' मानने के पूर्वाग्रह ने न्याय-पथ को कंटीला कर दिया है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि मिथ्या आरोप की पीड़ा भी पुरुषों को उतनी की अपमानित करती है जितना कि स्त्री को। अक्टूबर, 2023 को देश की शीर्ष अदालत की बीआर गवई एवं पीठ ने कहा था- 'इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि दुष्कर्म से पीड़िता को सबसे अधिक परेशानी और अपमान होता है लेकिन साथ ही दुष्कर्म का झूठा आरोप, आरोपी को उतनी ही परेशानी, अपमान और क्षति पहुंचाने का कारण बन सकता है।'

न्याय के दरवाजे तक पहुंचने से पूर्व ही पुरुष को अपराधी मान लेने की मानसिकता और तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति ने एक ऐसे समाज का निर्माण कर दिया है जहां भय और शंका का पलड़ा पुरुषों की ओर है। निर्दोष होने के बावजूद जेल जाना और असहनीय पीड़ा को बर्दाश्त करना कमोबेश पुरुषों के हिस्से आ रहा है। इसके नतीजे घातक सिद्ध हो रहे हैं। स्कॉट, लेस्ली का शोध 'इट नेवर, एवर एंड्स; द साइकोलॉजिकल इम्पैक्ट ऑफ रोंगफुली कन्विक्शन' बताता है कि गलत आरोप का प्रभाव अक्सर जटिल और लंबे समय तक चलने वाला होता है। शोध यह भी स्पष्ट करता है कि गलत तरीके से आरोपी बनाए गए लोगों पर मनोवैज्ञानिक और शारीरिक आघात तो होता ही है लेकिन साथ ही न्याय प्रणाली के प्रति उनका नकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है।

सामान 2 कप गेहूं का आटा, 2 कप मेथी के पत्ते, नमक स्वादानुसार, 1/4 कप दही, 1/2 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1/4 छोटा चम्मच जीरा पाउडर, 1/2 छोटा चम्मच अजवाइन, 1/2 छोटा चम्मच हल्दी, 1 छोटा चम्मच अदरक का पेस्ट,तेल जरुरत के अनुसार।

परिवारवालों को बनाकर खिलाएं मेथी के पराठे

मेथी खाने का स्वाद ही अलग ही होता है। इसके सेवन से पाचन क्रिया भी सुचारू रूप से काम करती है। ऐसे में खुद के साथ-साथ अपने परिवार के लिए भी मेथी का पराठा बनाकर परोस सकती हैं। ये एक ऐसा पराठा है, जिसे आप बच्चों के अलावा बड़ों के लंच में भी पैक कर सकती हैं। इसका स्वाद अचार और दही से साथ तो बढ़ता ही है, लेकिन अगर आप इसके साथ आलू टमाटर की सब्जी परोसेंगी तो आपके परिवार वाले पेट के साथ-साथ मन भर के मेथी का पराठा खाएंगे।

विधि

मेथी का पराठा बनाने के लिए सबसे पहले मेथी के पत्तों को अच्छे से साफ करके धो लें। इसके बाद एक बड़े कटोरे में आटा छान कर निकाल लें। इस आटे में दही, अजवाइन समेत सभी चीजें डाल कर अच्छे से मिला लें। इसके बाद इसमें स्वादानुसार नमक डालें। अब इस आटे को अच्छी तरह से गूंथ लें। गूंथे हुए आटे ते कभी तुरंत पराठे ना बनाए, बल्कि इसे कुछ देर ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद इस आटे से छोटी-छोटी लोइयां तैयार करें। अब इन लोइंयों से पराठे बनाएं और इन्हें गैस पर दोनों तरफ से तेल लगाकर सेक लें। आप चाहें तो तिकोने आकार के मेथी के पराठे भी बना सकती हैं। जब ये कुरकुरी तरह से सिक जाएं तो एक प्लेट में निकाल कर अचार और दही से साथ इसे परोसें।

नाश्ते में इन चीलों को भी करें ट्राई

आज कल लोगों की लाइफस्टाइल काफी व्यस्त होती जा रही है, ऐसे में लोगों के पास सही से नाश्ता करने का समय नहीं होता। सुबह के वक्त हर किसी को इतनी जल्दबाजी होती है कि वो नाश्ते के ऐसे विकल्प तलाशने लगते हैं, जिसे बनाना काफी आसान हो। आसानी से बनने वाले नाश्तों में बेसन का चीला सबसे पहला विकल्प है। बेसन का चीला ना सिर्फ खाने में स्वादिष्ट लगता है, बल्कि ये काफी हेल्दी भी होता है। इस चीले में लोग तमाम तरह की सब्जियां मिलाकर इसका स्वाद बढ़ाते हैं। ज्यादा चीला खाने की वजह से कई बार लोग काफी बोर हो जाते हैं, ऐसे में बेसन के चीले के अलावा कई प्रकार के चीले बनते हैं जिन्हें खाने से एक तो आपके स्वाद में बदलाव आएगा और जब आप बच्चों को भी कुछ अलग सा परोसेंगी तो वो भी इसे खुशी से खाएंगे।

सूजी चीला

बेसन का चीला ज्यादा कुरकुरा नहीं होता है, ऐसे में आप इसमें सूजी डालकर इसका स्वाद कई गुना बढ़ा सकती हैं। इसके लिए आपको बस बेसन में थोड़ी सी सूजी मिलानी होगी। इसके अलावा सूजी का ग्लासेमिक इंडेक्स बहुत कम होता है, इसलिए यह डायबिटीज रोगियों के लिए अच्छी डाइट है। अगर आप वेट कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो सूजी को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। यह आपके वजन को कम करने में मदद करता है।

आलू चीला

आलू का चीला बनाने के लिए आपको उबले हुए आलू को कद्दूकस करके इसका इस्तेमाल करना है। आलू का चीला नाश्ते के लिए एक बढ़िया विकल्प है। आप इसे फटाफट बनाकर तैयार कर सकते हैं। खास बात ये है कि आलू बच्चों को भी खूब पसंद होता है। बच्चों की डाइट में आपको आलू जरूर शामिल करना चाहिए।

मूंगदाल का चीला

अगर बेसन के चीले से भी ज्यादा हेल्दी कुछ खाना चाहते हैं, तो मूंगदाल का चीला एक बेहतर विकल्प है। इसके लिए आपको बस मूंगदाल का पेस्ट बनाकर उससे चीला तैयार करना है। इसे आप हरी चटनी और सौंठ के साथ परोस सकती हैं।

बाजरे के आटे का चीला

इस चीला को बनाने के लिए आपको सबसे पहले बाजरे का आटा चाहिए होगा। अब बेसन की जगह बाजरे के आटे का इस्तेमाल करके आप चीला तैयार कर सकती हैं।

ओट्स का चीला

चीले का हेल्दी विकल्प तलाश रही हैं, तो सबसे पहले ओट्स को पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब आप इसका चीला बनाकर तैयार कर सकती हैं।

पालक चीला

अगर आपको बेसन का चीला पसंद है, लेकिन आप इसका स्वाद बदलना चाहती हैं, तो इसमें पालक को एकदम महीन पीस कर डाल लें। इससे ये कुरकुरा भी बनेगा।

हंसना मना है

खैरियत पूछने का जमाना गया साहिब, आदमी ऑनलाइन दिख जाये तो समझ लेना सब ठीक है.. भगवान हम सबको ऑनलाइन रखे।

जरुरत से ज़्यादा भगवान को याद मत किया करो क्योंकि, किसी दिन भगवान ने याद कर लिया तो, लेने के देने पड़ जायेंगे।

तुम ही हो मेरे आंखों के तारे, तुम ही हो मेरे जीने के सहारे, बहुत परेशान हूं मैं मेरे यार, उधारी के पैसे चूका दो सारे।

पति- मार्किट में एक अनजान लड़की से कहा हेलो! पत्नी गुस्से में: बताओ ये कौन थी? पति कुछ सोचकर : ओए चुप कर, अभी उसे भी बताना है की, तुम कौन हो..!

पति: काम के लिए बाई रखें? पत्नी: नहीं चाहिए। पति: क्यों? पत्नी: तुम्हारी आदते मैं अच्छी तरह, जानती हूं। भूल गए? पहले मैं भी बाई ही थी!

कहानी — कुम्हार

एक गांव में युधिष्ठिर नाम का कुम्हार मिट्टी के बर्तन बनाता था और जो भी पैसे मिलते थे, उनसे शराब खरीद कर पी लेता। एक रात वह शराब के नशे में था अचानक उसका पैर लड़खड़ाया और वह जमीन पर गिर पड़ा। जमीन पर कांच के टुकड़े पड़े थे, जिनमें से एक टुकड़ा उसके माथे में घुस गया। इसके बाद कुम्हार किसी तरह उठा और अपने घर चल दिया। अगले दिन जब उसे होश आया तो वह वैद्य के पास दवाई ली। वैद्य ने कहा, घाव गहरा होने के कारण इसे भरने में समय लगेगा। इसके बाद कई दिन बीत गए। अचानक उसके गांव में सूखा पड़ गया। सभी लोग गांव छोड़ कर जाने लगे। कुम्हार ने भी गांव छोड़ कर जाने का फैसला किया और दूसरे देश की तरफ निकल गया। नए देश में जाकर वह राजा के दरबार में नौकरी मांगने गया। वहां राजा ने उसके माथे पर चोट का निशान देखा और सोचा, यह जरूर कोई पराक्रमी योद्धा होगा और दुश्मन से लड़ते समय इसके माथे पर चोट लगी होगी। यह सोचकर राजा ने उसे अपने दरबार में एक खास जगह दे दी और उस पर विशेष ध्यान देने लगे। यह देख कर राजा के दरबार में मौजूद राजकुमार, सेनापति और अन्य मंत्री उससे जलने लगे। ऐसा कई दिनों तक चलता रहा। एक दिन शत्रुओं ने राजा के महल पर हमला कर दिया। राजा ने अपनी पूरी सेना को युद्ध के लिए तैयार किया। उसने युधिष्ठिर से भी युद्ध में जाने के लिए कहा। युधिष्ठिर जब युद्ध भूमि की तरफ जा रहा था तो राजा ने उससे पूछा कि उसके माथे पर यह चोट किस युद्ध में लगी। इसपर कुम्हार ने सोचा कि अब वह राजा का भरोसा जीत चुका है और अब अगर वह राजा को सच बता देगा तो कोई समस्या नहीं होगी। यह सोच कर उसने राजा से कहा, राजन, मैं कोई योद्धा नहीं हूं। मैं तो एक साधारण-सा कुम्हार हूं। यह चोट मुझे किसी युद्ध में नहीं, बल्कि शराब पीकर गिरने के कारण लगी थी। कुम्हार की यह बात सुनकर राजा को बहुत गुस्सा आया। उसने कहा, तुमने मेरा विश्वास तोड़ा है और मुझे छल कर दरबार में इतना ऊंचा पद पाया है। निकल जाओ मेरे राज्य से। कुम्हार ने राजा से बहुत मिन्नतें की, उसने कहा कि अगर उसे मौका मिले, तो वह युद्ध में राजा के लिए प्राण भी दे सकता है। राजा ने कहा, तुम चाहे जितने भी वीर और पराक्रमी हो, लेकिन तुम शूरवीरों के कुल से नहीं हो। तुम्हारी हालत शेरों के बीच रहने वाले उस गीदड़ की तरह है, जो हाथी से लड़ने की जगह उससे दूर भागने की बात करता है। मैं तुम्हे जाने दे रहा हूं, लेकिन अगर राजकुमारों को तुम्हारा राज पता चल गया, तो वो तुम्हें मार डालेंगे। इसलिए, कहता हूं कि अपनी जान बचाओ और भाग जाओ। कुम्हार ने राजा की बात मानी और तुरंत उस राज्य को छोड़ कर चला गया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है।

वृषभ कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मिथुन सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

कर्क धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे।

सिंह कुसगंति से बचें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है।

कन्या शरीर में कमर व घुटने आदि के दर्द से परेशानी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

तुला शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति पर व्यय होगा। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा।

वृश्चिक किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कष्ट व भय सताएंगे।

धनु राजभय रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। यात्रा में जल्दबाजी न करें।

मकर प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी।

कुम्भ चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। यश बढ़ेगा। दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

मीन व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। चोट व रोग से बचें।

बॉलीवुड | मन की बात

राखी से मेरी कभी शादी हुई ही नहीं : आदिल खान

आदिल खान से राखी सावंत से तलाक के बाद 3 मार्च को गुपचुप तरीके से बिग बॉस फेम सोमी खान से शादी कर सभी को चौंका दिया था। आदिल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर तस्वीर साझा कर अपने फैंस को इस बात की सूचना दी थी। राखी ने बाद में अपने एक्स शौहर के लिए एक वीडियो भी साझा कर उन्हें काफी कुछ भला-बुरा कहा था। अब आदिल ने राखी को लेकर कई बड़े खुलासे किए हैं और राखी संग अपनी शादी पर कई बड़े सवाल भी खड़े किए हैं। हाल ही में, एक इंटरव्यू में आदिल ने छुपकर निकाह करने की वजह का खुलासा किया। उन्होंने कहा, हमने इसलिए छुपकर निकाह किया क्योंकि हम नहीं चाहते थे कि किसी भी तरह की नेगेटिविटी हमारे पास आए। मैं और सोमी एक दूसरे के साथ बहुत ही खुश हैं और राखी के साथ मेरा रिश्ता अब पूरी तरह से खत्म भी हो गया है। यह सब बातें करने का अब कोई भी मतलब नहीं है। आदिल ने आगे कहा कि उनकी कभी राखी से शादी हुई ही नहीं, क्योंकि जब वह उनके साथ थीं, तो पहले से ही शादीशुदा थीं। आदिल ने राखी पर उन्हें बदनाम करने का भी आरोप लगाया। आदिल ने कहा कि राखी उनके साथ होते हुए भी पहले से शादीशुदा थीं, जिसे लेकर केस चल रहा है। आदिल ने बताया कि राखी के साथ उनकी जिंदगी काफी खराब हो गई थी और सोमी के साथ वह एक नई शुरुआत करना चाहते हैं। आदिल ने सोमी संग अपनी शादी को लेकर कहा, लोगों के मन में यह सवाल था कि मैंने दूसरी शादी कैसे कर ली? मुझे दोबारा शादी करने का पूरा अधिकार है क्योंकि मैं एक मुस्लिम हूं और शादी कर सकता हूं। मैंने अपने परिवार की मौजूदगी में बाकायदा निकाह किया। आदिल ने कहा, मैंने कोई गुपचुप शादी नहीं की। मैंने बिना परिवार के, बंद कमरे में निकाह नहीं किया है। मैंने उचित मेहर सोमी और मेरे परिवार दोनों की मंजूरी के साथ दी है। मैंने एक रिसेप्शन भी किया। सोमी से आधिकारिक तौर पर शादी करने के बाद मैं उनके साथ रह रहा हूं। मुझे शादी करने की इजाजत है।

मैं जो भी करती हूं प्यार से करती हूं: आलिया भट्ट

आलिया भट्ट बॉलीवुड में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपने छोटे से करियर में एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं बल्कि हॉलीवुड और टॉलीवुड में भी वे अपने अभिनय का जलवा बिखेर चुकी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान आलिया ने अपने करियर और फिल्मों के चुनाव के बारे में कई दिलचस्प खुलासे किए। आलिया भट्ट साल 2022 में एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर में नजर आई थीं। इस फिल्म में उन्होंने पहली बार साउथ सुपर स्टार राम चरण के साथ काम किया था। पिछले दिनों आलिया राजामौली के साथ अपने काम के अनुभवों को साझा करते हुए बोलीं, मुझे अक्सर अपनी फिल्मों को चुनने में काफी परेशानी होती है। मैं समझ नहीं पाती हूं कि किन फिल्मों को चुनूं और किन्हें नहीं। ऐसे में मैंने एसएस राजामौली से पूछा था कि मुझे किस तरह की फिल्में चुननी चाहिए तब उन्होंने कहा जो भी चुनो, बस प्यार से चुनो। आलिया भट्ट अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, मैंने एसएस राजामौली की उस बात को गांठ बांध लिया। उन्होंने मुझसे यह भी कहा था कि चाहे फिल्म बढ़िया प्रदर्शन करे या नहीं अगर तुमने प्यार से अपना काम किया है तो दर्शकों को काम में तुम्हारा प्यार नजर आएगा और वे तुम्हारे काम को सराहेंगे। आलिया भट्ट से जब पूछा गया कि वे अपनी हर फिल्म में अलग किरदार निभाती नजर आती हैं। आखिर वे अपने लिए इन अलग किरादरों का चुनाव कैसे कर लेती हैं। इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री कहती हैं, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे शुरू से ही अच्छी और अलग फिल्में करने को मिली हैं। मैंने कभी प्लान करके कोई काम नहीं किया है। अगर मुझे अच्छी फिल्में नहीं मिलती तो शायद मैं ऊब जाती क्योंकि अगर मुझे काम करने में मजा नहीं आए तो मैं काम नहीं करती हूं।

बॉलीवुड | मसाला

संयुक्त राष्ट्र पैनल का हिस्सा बनीं मृणाल

छोटे पर्दे से अभिनय करियर की शुरुआत करने वालीं अभिनेत्री मृणाल ठाकुर बॉलीवुड के साथ-साथ टॉलीवुड इंडस्ट्री में भी अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी हैं। अभिनेत्री ने शाहिद कपूर और ऋतिक रोशन जैसे बड़े सितारों के साथ स्क्रीन स्पेस साझा किया है। वहीं, अब अभिनेत्री के फैंस के लिए एक और गर्व की बात है। मृणाल ठाकुर आज यानी 14 मार्च को यौन हिंसा की मानवीय लागत नामक एक आगामी पैनल चर्चा में भाग लेने वाली हैं। अभिनेत्री, पैनल में विषय पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों के साथ शामिल होंगी। मृणाल ठाकुर इस महीने के अंत में न्यूयॉर्क के संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा की मानवीय लागत नामक एक आगामी पैनल चर्चा में भाग लेने के लिए तैयार हैं। मानव तस्करी की गंभीर वास्तविकता पर प्रकाश डालने वाली लव सोनिया जैसी फिल्मों में अपनी प्रभावशाली भूमिकाओं के लिए जानी जाने वालीं मृणाल ठाकुर पैनल में शामिल होंगी। अभिनेत्री फिलहाल भारत में अपनी आगामी फिल्म द फैमिली स्टार के प्रचार अभियान में व्यस्त हैं। पैनल का उद्देश्य संघर्ष क्षेत्रों में यौन हिंसा के वैश्विक संदर्भ और प्रभाव का पता लगाना है, जिसमें मानव तस्करी के साथ इसके संबंध भी शामिल हैं। लव सोनिया में तस्करी के पीड़ितों द्वारा सामना किए गए कष्टदायक अनुभवों के चित्रण को देखते हुए, अभिनेत्री की उपस्थिति चर्चा में महत्वपूर्ण वजन जोड़ती है। पैनल में मृणाल के साथ माशा एफ्रोसिनिना, फौजिया कूफी, कोहव एल्कायम लेवी, मीजा गेब्रेमेधिन और एरीग एलहागविल जैसी नामचीन हस्तियां शामिल होंगी। यह आयोजन वैश्विक स्तर पर मजबूत बातचीत और वकालत के लिए एक मंच बनने का वादा करता है। कार्यक्रम के लिए अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, मृणाल ठाकुर ने कहा, इस पैनल चर्चा का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। लव सोनिया सिर्फ एक फिल्म नहीं थी। यह मानवता के सबसे अंधेरे कोनों में एक यात्रा थी, जो अकल्पनीय घटनाओं पर प्रकाश डालती है। अपनी भूमिका के माध्यम से, मुझे इस मुद्दे की जटिलताओं को गहराई से समझने का अवसर मिला, और तब से यह एक ऐसा मुद्दा बन गया है जो अविश्वसनीय रूप से मेरे दिल के करीब है। मृणाल ठाकुर ने आगे जोड़ा, इस पैनल का हिस्सा बनकर मुझे जागरूकता बढ़ाने और बदलाव की वकालत करने का मौका मिलेगा।

फैलाएंगी यौन हिंसा पर जागरूकता

अजब-गजब | न ही बाहर खाना-पीना और न ही करती है शॉपिंग

कंजूसी से महिला बचा रही लाखों रूपये

आपने बचपन से ही बड़े बुजर्गों से सुना होगा कि जब भी आप कुछ पैसे कमाते हैं, तो उसमें से ज्यादा से ज्यादा बचाकर रखना चाहिए। जो लोग इस मंत्र को वक्त रहते समझ लेते हैं, वे अपनी ज़िंदगी को व्यवस्थित और आरामदेह बना लेते हैं। एक ब्रिटिश महिला ने ऐसा ही किया और उसे यकीन ही नहीं हुआ कि एक छोटे से बदलाव के ज़रिये वो लाखों रुपये की बचत कर पा रही है। क्रिसी मिलान नाम ने अपनी जिंदगी में कंजूसी की आदत से खूब मुनाफा कमाया है। महिला को थाइलैंड घूमते हुए ये आइडिया आया कि वो अपनी लाइफस्टाइल पर फालतू का खर्चा करती है। इसके बाद क्या था, वापस लौटकर ही उसने अपना बटुआ बांधकर रख दिया और सालभर से कोई शॉपिंग नहीं की। उसने कोई एक्स्ट्रा कमाई तो नहीं की लेकिन पैसे इतने बचाए कि ये एक साइड जॉब के बराबर ही हैं। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक क्रिसी मिलान थाइलैंड में घूम रही थीं, जब उन्होंने थाइलैंड और यूनाइटेड किंगडम की लाइफस्टाइल में खर्चे को लेकर अंतर देखा। ऐसे में वापस लौटकर क्रिसी ने सिर्फ अपने जरूरी खर्चों के अलावा एक भी पैसा खर्च नहीं करने की ठान ली। वो सिर्फ अपने किराये और खाने पर खर्चा करती हैं। उन्होंने हर महीने वाले 15000 के खर्चे को बचाया, जो दोस्तों के साथ खाने-पीने पर होता था। हर दिन कॉफी और बाहर का खाना बंद किया, इससे उनके 24 000 रुपये बचे। अब वो अपना खाना घर से ले जाती हैं। वो हर महीने 50 हज़ार रुपये बचाने लगीं और सालभर में उन्होंने 6,35,538 रुपये बचा लिए। क्रिसी ने SWNS से बात करते हुए कहा कि इससे उनकी लाइफस्टाइल और सेविंग में काफी बदलाव आया। उनका कहना है कि ये पहेल आसान लग रहा था लेकिन जिंदगी की सुविधाएं छोड़ना आसान नहीं होता। कई बार उन्हें बुरा भी लगता था लेकिन धीरे-धीरे उन्हें इसकी आदत पड़ गई। 25 साल की क्रिसी का कहना है कि वो सेविंग के मामले में खुद को ही चैलेंज कर रही थीं और इससे उन्हें काफी फायदा हुआ है।

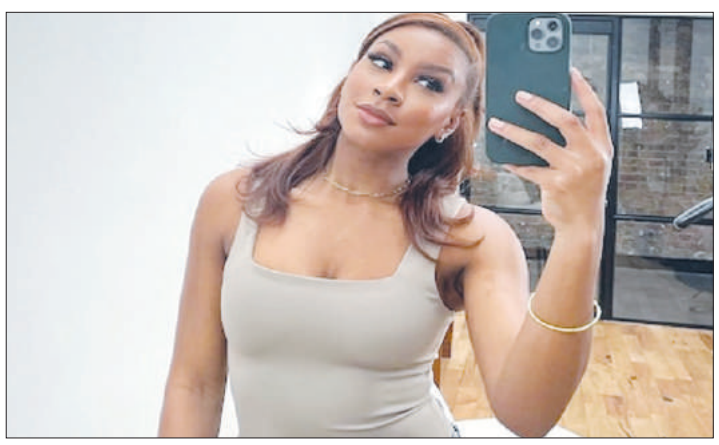

रहस्यों की खान है ये गड्ढा, निगल लेता है उड़ता हेलीकॉप्टर

दुनिया बहुत बड़ी है और इसके कोने-कोने में ऐसी चीजें मौजूद हैं, जो हमें आश्चर्य से भरने के लिए काफी हैं। कहीं कुछ भौगोलिक तौर पर कमाल की चीज़ दिखती है तो कहीं कुदरती तौर पर कुछ ऐसी चीज़ दिख जाती है कि जानने वाले लोग हैरान रह जाएं। ऐसी है एक जगह के बारे में आज हम आपको बताएंगे, जो दरअसल एक विशालकाय गड्ढा है लेकिन अगर कोई चीज़ इस गड्ढे के 1000 फीट की ऊंचाई तक दिख जाए, तो वो गड्ढे में समा जाती है। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक ये गड्ढे रूस में मौजूद है। यहां मौजूद छोटे से मिर्नी नाम के गांव में मौजूद ये गड्ढा 280 मील के एरिया में फैला हुआ है। वैसे तो ये एक ओपन माइन है, जहां से कभी हीरे निकला करते थे। गड्ढे का व्यास 3900 फीट है और इसकी गहराई 1722 फीट है। गड्ढे से जुड़ी हुई ऐसी तमाम रहस्यमय घटनाएं हैं, जिन्होंने इसे बंद करने पर मजबूर कर दिया। करीब 20 साल पहले बंद हो चुकी इस रहस्यमय खान से 1000 फीट से नीचे कोई चीज उड़ जाए, तो ये गड्ढा उसे अपनी ओर खींच लेता है। यही वजह है कि यहां एयरस्पेस को भी बंद कर दिया गया। साल 2017 में यहां भीषण बाढ़ आई थी। कहा जाता है कि इसके पीछे भी इसी रहस्यमय आकर्षण का हाथ था। बताया जाता है कि ठंडी हवा के गर्म हवा से मिलने की वजह से जो तीव्र आकर्षण बनता है, उससे ही इस गड्ढे के अंदर कई चीज़ें खिंचकर गुम हो जाती हैं। हालांकि एक बार फिर साल 2030 तक इस गड्ढे को खोले जाने की बात चल रही है। जानकारी के मुताबिक दूसरे विश्वयुद्ध के बाद इस गड्ढे ने रूस की आर्थिक स्थिति को खूब सहारा दिया। जब रूस खुद को फिर से खड़ा कर रहा था, तो एक जियोलॉजिस्ट टीम ने यहां हीरे मिलने का दावा किया। 1957 में स्टालिन के आदेश पर इसकी खुदाई कराई गई। अत्यंत ठंड होने की वजह से इसे खोदने में काफी दिक्कत हुई लेकिन 1960 आते-आते यहां से हीरे निकलने लगे। पहले 10 साल में 1 करोड़ कैरेट के डायमंड यहां से हर साल निकले, जिनमें से कुछ तो 342।57 कैरेट के लेमन यलो डायमंड थे।

राहुल ही दे सकते हैं भाजपा को टक्कर : राजा

वायनाड सीट पर भाकपा के लड़ने पर दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव डी राजा ने कि कहा कि केरल के वायनाड से राहुल गांधी को चुनावी मैदान में उतारना कांग्रेस का विशेषाधिकार है, लेकिन जनता की राय यह है कि उनके कद के नेता को ऐसी सीट से चुनाव लड़ना चाहिए जहां वह सीधे तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चुनौती देते। वायनाड से भाकपा ने राहुल गांधी के खिलाफ राजा की पत्नी एनी राजा को उम्मीदवार बनाया है।

राजा ने विपक्षी गठबंधन इंडिया के संदर्भ में कहा कि कुछ मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन इस गठबंधन ने लोगों के समक्ष वैकल्पिक एजेंडा पेश किया है। राहुल गांधी के खिलाफ वायनाड में एनी राजा को उम्मीदवार बनाए जाने के संदर्भ में वामपंथी नेता ने कहा, जनता की राय है कि उनके कद के नेता को भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ना चाहिए था क्योंकि हम राष्ट्रीय एवं राज्यों के स्तर पर वैचारिक, राजनीतिक रूप से भाजपा से लड़ रहे हैं। राजा ने कहा, केरल एक ऐसा राज्य है जहां मुख्य चुनावी मुकाबला एलडीएफ और यूडीएफ के बीच

है और वहां केवल 20 सीट हैं। एलडीएफ के भीतर हमारी पार्टी भाकपा को चुनाव लड़ने के लिए चार सीटें मिलती हैं... राज्य इकाई ने सर्वसम्मति से चार सीटों के लिए उम्मीदवारों का प्रस्ताव रखा है और पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने इसे मंजूरी दे दी है।

हर दल का अपना विशेषाधिकार

उनका कहना था, अब यह कांग्रेस पार्टी को तय करना है कि वह क्या करना चाहती है क्योंकि यह किसी भी राजनीतिक दल का विशेषाधिकार है कि वह अपनी पसंद के उम्मीदवार या क्षेत्र का चयन करे। केरल में वामपंथी गठबंधन एलडीएफ की सरकार है और कांग्रेस की अगुवाई वाला यूडीएफ मुख्य विपक्ष है। उन्होंने कहा कि यदि राहुल गांधी भारत के दक्षिणी हिस्से से किसी सीट से चुनाव लड़ना चाहते थे, तो वह कर्नाटक या तेलंगाना में से एक सीट चुन सकते थे, वहां भी भाजपा को सीधे चुनौती दे सकते थे। झारखंड में भाकपा की प्रदेश इकाई के अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी से जुड़ी खबरों के बीच राजा ने कहा कि बातचीत जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार के नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) का इंडिया गठबंधन से बाहर जाना एक विश्वासघात था।

फिर थप्पड़कांड से शर्मसार हुआ तहजीब का शहर लखनऊ

» कल महिला ने मोटरसाइकिल चालक की चप्पलों और थप्पड़ों से की थी पिटाई

» घटना की संवेदनशीलता पर दर्ज कराई गई एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अगस्त 2021 के थप्पड़ काण्ड से चर्चा में आया तहजीब का शहर लखनऊ एक बार फिर से चर्चा में है, और इस बार फिर एक महिला द्वारा एक मोटरसाइकिल चालक की ताबड़तोड़ चप्पलों और थप्पड़ों से पिटाई के कारण। गत दिनों 14 मार्च 2024 को अपराह्न लगभग 12 बजे उच्च न्यायालय के निकट कमता फ्लाईओवर के निकट एक महिला ने एक महिला जिसका नाम सुनीता कुमारी पत्नी सुरेन्द्र बताया जा रहा है बताया जा रहा है , ने एक मोटरसाइकिल चालक युवक जिसके वाहन से उसके दोपहिया वाहन पर हलकी सी ठोकर लग गयी, को थप्पड़ों और चप्पलों से मारना शुरू कर दिया।

उक्त मोटर सायकल चालक, जो प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एसएसबी में कार्यरत है, ने केवल अपने आप को बचाया और संयमित हो कर महिला के कृत्यों का प्रतिरोध किया। प्रकरण की संवेदनशीलता के दृष्टिगत अधिवक्ता मोहम्मद हैदर, जिन्होंने अगस्त 2021 में हुए थप्पड़ काण्ड में ड्राइवर सआदत अली सिद्दीकी को न्याय दिलाते हुए अपचारी महिला प्रियदर्शिनी प्राथमिकी दर्ज कराई थी , ने संज्ञान लेते हुये अपने ट्विटर हैंडल @myvakil से ट्वीट कर लखनऊ पुलिस को इस प्रकरण में अपचारी महिला के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करा कर कार्यवाही किये जाने का अनुरोध किया। ट्वीट का संज्ञान लेते हुए डीसीपी पूर्वी लखनऊ ने प्रभारी निरीक्षक विभूति खंड लखनऊ को जांच कर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। उक्त ट्वीट को वरिष्ठ पत्रकार रोहिणी सिंह, मनीष पांडे ,पुरुर्ष आयोग की बरखा त्रेहन एवं दर्जनों अन्य ने रिपोस्ट कर पुलिस से कार्यवाही की मांग की।

आईपीसी की धारा 323, 504, 506 के अंतर्गत संज्ञेय अपराध : मो. हैदर

मोहम्मद हैदर अधिवक्ता ने बताया कि उक्त महिला का यह कृत्य भारतीय दंड संहिता की धारा 323, 504, 506 के अंतर्गत एक संज्ञेय अपराध है जिसकी प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर उक्त महिला के विरुद्ध विधिक कार्यवाही करना अत्यंत आवश्यक है। खबर लिखे जाने तक उक्त पोस्ट को 35 हजार से अधिक लोग देख चुके थे।

अब भी जजपा-भाजपा एक हैं : अभय चौटाला

» इनेलो हरियाणा की सभी 10 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के वरिष्ठ नेता अभय सिंह चौटाला ने कहा कि उनकी पार्टी हरियाणा की सभी 10 लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ेगी। राज्य में भाजपा-जजपा गठबंधन के टूट जाने पर, चौटाला ने दावा किया कि वे दोनों अब भी एक दूसरे के साथ हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी राज्य में सबसे बड़ा संगठन है और हाल ही में पांच लाख नए सदस्य पार्टी से जुड़े हैं। हम सभी 10 सीट पर चुनाव लड़ेंगे।

चौटाला ने कहा कि जैसे ही चुनाव कार्यक्रम की घोषणा होगी, पार्टी की कोर कमेटी की बैठक होगी जिसमें तय किया जाएगा कि किस उम्मीदवार को कहां से उतारना है। इनेलो में विभाजन के बाद बनी

जननायक जनता पार्टी (जजपा) पर निशाना साधते हुए चौटाला ने कहा,अगर जजपा भारतीय जनता पार्टी से अलग हो गई होती, तो वह अपने विधायकों को कल विधानसभा में विश्वास मत के दौरान अनुपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी नहीं करती। अगर दोनों दल अलग हो गए तो जजपा अपने विधायकों को सदन में उपस्थित रहने और सरकार के खिलाफ वोट करने के लिए कहती। इनेलो नेता ने कहा कि जजपा ने जो व्हिप जारी किया, उससे साफ पता चलता है कि वे भाजपा की मदद करना चाहते थे और वे अब भी एक दूसरे से मिले हुए हैं।

बीजेपी के पास कोई मुद्दा नहीं बचा : कांग्रेस

भाजपा ऐसा मान रही राम मंदिर का पट्टा उसके पास : नकुलनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छिंदवाड़ा। कांग्रेस सांसद नकुल नाथ ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर धर्म को राजनीतिक मंच पर लाने और ऐसा प्रतीत कराने का आरोप लगाया जैसे कि उसके पास भगवान राम की एजेंसी और राम मंदिर का पट्टा हो। पिछले लोकसभा चुनाव में नकुल मध्य प्रदेश से कांग्रेस के एकमात्र विजेता उम्मीदवार थे। वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बेटे नकुल छिंदवाड़ा लोकसभा सीट से जीतने में कामयाब रहे थे और ऐसे में कांग्रेस ने उन्हें इस सीट से फिर से उम्मीदवार घोषित किया है।

नाथ ने वंशवाद की राजनीति के बारे में भाजपा के बार-बार आरोपों पर भी कटाक्ष करते हुए कहा, भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है। बेरोजगारी, महंगाई आदि के बारे में नहीं बल्कि वंशवाद की राजनीति के बारे में बात कर रहे हैं। वे अपनी पार्टी में वंशवादी राजनीति नहीं देखते हैं। अयोध्या स्थित राम मंदिर निर्माण के बारे में नाथ ने कहा कि भाजपा इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रही है और ऐसा प्रतीत करा रही है कि उनकी पार्टी के पास भगवान राम की एजेंसी और राम मंदिर का पट्टा है।कांग्रेस सांसद ने कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा लोगों का ध्यान भटकाने के लिए लोकसभा चुनाव से पहले एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक पंजी), सीएए (संशोधित नागरिकता अधिनियम) और अनु' छेद ×70 जैसे मुद्दे उठा रही है।

उन्होंने कहा, यह लोगों का ध्यान भटकाने की राजनीति है। भाजपा जनता को गुमराह कर रही है। वे लोगों से जुड़े मुद्दों पर नहीं बल्कि ध्यान भटकाने के लिए एनआरसी, सीएए, अनु' छेद ×70 के बारे में बात कर रहे हैं। लोकसभा सदस्य ने कहा कि बेरोजगारी, महंगाई और किसानों की स्थिति जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को दरकिनार करने के लिए ही ध्यान भटकाया जा रहा है।उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर साल दो करोड़ नौकरियां पैदा करने, नागरिकों के खातों में 15 लाख रुपए जमा करने और 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने की बात कही थी।

बीजेपी के अटकाए मामले कांग्रेस सरकार ने सुलझाए : सुक्खू

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने राजनीतिक उथल-पुथल प्राकृतिक त्रासदियो एवं आर्थिक चुनौतियो का सामना करने के बावजूद लंबित समस्याओ को हल किया है। उन्होने कहा कि वह पिछले 15 महीनो मे किए गए कार्यो को जनता के दरबार मे प्रस्तुत करेगे। उन्होने आरोप लगाया कि पिछली भाजपा सरकार ने मुद्दो का समाधान करने की कभी कोशिश नही की और उन्हे लटकाए रखा। यहां मीडियाकर्मियो से बातचीत करते हुए सुक्खू ने कहा, कांग्रेस सरकार ने लंबित समस्याओ का समाधान किया, हमने आर्थिक, त्रासदी और राजनीतिक मोर्चे पर चुनौतियो का सामना किया है। पिछले पंद्रह महीने मे किए गए कार्यो को हम जनता की दरबार मे ले जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, पिछले पंद्रह महीने मे हमारे सामने आर्थिक, त्रासदी और राजनीतिक मोर्चे पर बस चुनौतिया ही आई है और हमने लंबित मुद्दो का समाधान किया है। (पिछली) भाजपा सरकार ने इन मुद्दो का हल करने की चेष्टा कभी नही की और उसने बस मामलो को लटकाए रखा।

मुंबई का 42वीं बार रणजी ट्रॉफी पर कब्जा

» फाइनल में विदर्भ को 169 रनों से दी मात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई ने वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में मुंबई ने विदर्भ को 169 रनों से पराजित किया है। 538 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए विदर्भ अपनी दूसरी पारी में 418 रन ही बना सका। मुंबई ने रिकॉर्ड 42वीं बार ये खिताब अपने नाम किया है।

मेजबान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रणजी ट्रॉफी 2023-24 का खिताब अपने नाम कर लिया। मुंबई ने रिकॉर्ड 42वीं बार ये खिताब अपने नाम किया है। वहीं विदर्भ का तीसरी बार खिताब जीतने का सपना टूट गया है। मुंबई ने 8 साल बाद रणजी का खिताब अपने नाम किया है।

वहीं फाइनल मैच में 538 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए विदर्भ ने एक समय अपने चार विकेट 133 रनों के स्कोर पर खो दिए थे। यहां से करुण नायर और कप्तान अक्षय वाडकर के बीच पांचवें विकेट के लिए 90 रनों की साझेदारी हुई। मुशीर खान ने नायर को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ने का काम किया। करुण नायर के आउट होने के बाद अक्षय वाडकर और हर्ष दुबे ने मिलकर छठे विकेट के लिए 130 रनों की पार्टनरशिप की।

पैसों की बारिश, एमसीए ने की पुरस्कार राशि दोगुना

मुंबई ने आठ साल का इंतजार खत्म करते हुए खिताब जीता। मुंबई क्रिकेट संघ ने बड़ा ऐलान करते हुए रणजी ट्रॉफी का खिताब जीतने वाली टीम की पुरस्कार राशि दोगुनी कर दी है, जिसका मतलब है कि टीम को पांच करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि मिलेगी। मुंबई क्रिकेट संग के सचिव अंजिक्य नाइक ने बयान में कहा कि एमसीए के अध्यक्ष अमोल काले और टॉप परिषद ने रणजी ट्रॉफी की पुरस्कार राशि दोगुनी करने का फैसला किया है। एमसीए रणजी ट्रॉफी जीतने वाली मुंबई की टीम को पांच करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि देगी। साथ ही उन्होंने कहा कि, एमसीए के लिए ये साल शानदार रहा है और उसने सात खिताब अपने नाम किए हैं। इसके अलावा हमारी टीम बीसीसीआई के आयु वर्ग की सभी प्रतियोगिताओं के नॉकआउट चरण में पहुंची।

किसानों की ललकार : अब गांवों में घुस नहीं पाएगी सरकार

» 23 मार्च को देशव्यापी प्रदर्शन करने की तैयारी

» अपनी मांगों को लेकर पीछे नहीं हटेंगे अन्नदाता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश भर में केंद्र सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ कई दिनों से किसान आंदोलन हो रहे हैं। किसानों ने आगे की रणनीति को लेकर बताया कि 23 मार्च को देश भर में बड़े स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। किसान नेताओं ने कहा कि सरकार ने किसानों को बॉर्डर पर बैरिकेडिंग और कीलें लगाकर आने से रोका है। अब किसान उन्हें अपने गांव में आने से रोकेंगे।

गांव में घुसने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि यह खेती-किसानी की भविष्य की लड़ाई है। किसान शांत हुआ है, लेकिन अपनी मांगों को लेकर पीछे नहीं हटे हैं। बड़ी संख्या में किसान रामलीला मैदान में जुटे रहे।

यह सरकार किसी की नहीं पूंजीवादियों की सरकार : टिकैत

जहां किसान संगठन कमजोर हैं, वहां सरकार मजबूत है। ऐसे में गांवों में बैठक करनी जरूरी है। केंद्र सरकार ने 22 जनवरी, 2021 के बाद से किसान संगठनों से कोई बातचीत नहीं की है। यह सरकार किसी पार्टी की नहीं, बल्कि पूंजीवादियों की सरकार है। यह बातें भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) टिकैत के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहीं। वह रामलीला मैदान में संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा आयोजित किसान-मजदूर महापंचायत में किसानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ये विचारधारा के आंदोलन हैं। इससे सरकार को संदेश दिया है कि सभी संगठन एक हैं। यह आंदोलन अभी खत्म नहीं हुआ है। सरकार को बातचीत के जरिए मांगों को लेकर रास्ता निकालना चाहिए। किसी भी पार्टी की सरकार हो, अगर किसानों के खिलाफ फैसले लेगी तो उसका विरोध किया जाएगा। सरकार संयुक्त किसान यूनियन को तोड़ना चाहती है। सरकार सिख समाज को बदनाम कर रही है। लेकिन, पूरा देश किसानों के साथ है।

यूपी, पंजाब के अलावा कई राज्यों के किसानों ने भरी हुंकार

किसानों ने आह्वान किया कि सरकार की नीतियों के विरोध में देशव्यापी जन प्रतिरोध खड़ा करो। इसमें उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार, केरल समेत अन्य राज्यों से आए किसानों ने सरकार की नीतियों के विरोध में हुंकार भरी। महापंचायत में महिला, बुजुर्ग व युवा किसान शामिल रहे। यहां तक की कई किसान अपने बच्चों के साथ चिलचिलाती धूप में अपनी मांगों को लेकर डटे रहे। किसान ने हाथों में बैनर, यूनियन के झंडे व जमकर नारेबाजी करते दिखे।

पूर्व सीएम येदियुरप्पा पर लगेगा पॉक्सो!

» रेप केस में मदद मांगने गई नाबालिग को कमरे में खींचा

» येदि बोले- सब झूठे आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और सीनियर बीजेपी नेता बीएस येदियुरप्पा पर पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज हुई है। पूर्व सीएम के खिलाफ एक नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। मामला 2 फरवरी को बेंगलुरु का है। लोकल पुलिस स्टेशन में एफआई की गई है। 17 साल की पीड़ित की शिकायत के आधार पर बेंगलुरु के सदाशिवनगर पुलिस स्टेशन में बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो और 354 के तहत मामला दर्ज किया है।

इधर, येदियुरप्पा ने कहा, मुझ पर लगे सभी आरोप झूठे हैं, लेकिन मैं अभी ये नहीं कह सकता इसके पीछे कोई राजनीतिक मकसद है। एफआईआर के मुताबिक पीड़ित लड़की 2 फरवरी उसके साथ हुए यौन उत्पीड़न के एक मामले में येदियुरप्पा से मदद मांगने बेंगलुरु में उनके डॉलर्स कॉलोनी स्थित घर गई थी। तभी उन्होंने उसका यौन उत्पीड़न किया।

पीड़िता की मां बोली- येदि ने चुप रहने को कहा

एफआईआर के मुताबिक महिला ने आगे यह भी आरोप लगाया कि जब उसने येदियुरप्पा से इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि वह जांच कर रहे थे कि लड़की के साथ रेप हुआ है या नहीं। बाद में येदियुरप्पा ने कथित तौर पर माफी मांगी और महिला से मामले के बारे में किसी को नहीं बताने को कहा।

जब पीड़िता कमरे से बाहर भागी तो उसने अपनी मां से कथित छेड़छाड़ के बारे में बताया। पीड़ित की मां की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई।

हालांकि, मामला सामने आने के बाद येदियुरप्पा के ऑफिस ने कुछ दस्तावेज जारी किए हैं। इनमें बताया गया है कि एफआईआर करने वाली महिला अब तक अलग-अलग लोगों पर 53 केस कर चुकी है।

जूनियर इंजीनियर की भर्ती नियमावली के छेड़छाड़ पर सड़क पर उतरे अभ्यर्थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जूनियर इंजीनियर की भर्ती नियमावली में प्राविधानित अर्हता के साथ उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के विपरीत लोक निर्माण विभाग द्वारा छेड़छाड़ कर भर्ती प्रक्रिया को व्यवधानित करने का षडयंत्र रचे जाने के विरोध में अभ्यर्थियों ने जमकर प्रदर्शन किया।

हजारों की संख्या में बेरोजगार डिप्लोमा इंजीनियर अभ्यर्थियों ने प्रमुख अभियन्ता कार्यालय का घेराव किया।

उधर लोक निर्माण विभाग राजभवन के सामने बड़ी संख्या में इन अभ्यर्थियों ने अपनी मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी रखा है।

लोकसभा चुनाव का कल होगा एलान!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2024 लोकसभा चुनाव की कल घोषणा हो सकती है। चुनाव की तारीखों को लेकर कल चुनाव आयोग 3 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाला है। इस बात की जानकारी खुद चुनाव आयोग ने दी है।

आम चुनाव 2024 के साथ कुछ राज्य विधानसभाओं के कार्यक्रम की घोषणा करने के लिए चुनाव आयोग द्वारा प्रेस होगी। इसे ईसीआई के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। लोकसभा चुनाव की घोषणा कल होने वाली है।

नए निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह ने संभाला प्रभार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। नव नियुक्त निर्वाचन आयुक्तों.. ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू ने शुक्रवार को अपना प्रभार संभाल लिया। दोनों पूर्व नौकरशाहों को बृहस्पतिवार को निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया था।

वे मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के संबंध में हाल में एक नया कानून लागू होने के बाद, निर्वाचन आयोग में नियुक्त किए गए पहले सदस्य हैं। एक प्रवक्ता ने बताया कि ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू का स्वागत करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने ऐसे ऐतिहासिक समय पर उनकी नियुक्ति के महत्व के बारे में बात की जब निर्वाचन आयोग लोकसभा चुनाव कराने की तैयारियां कर रहा है।

सीएए पर रोक लगाने की अर्जियों पर सुनवाई 19 को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सीएएए के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर 19 मार्च को सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने कहा कि सीएए के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कुल 192 याचिकाएं लंबित हैं। ऐसे में सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करने का निर्देश दे रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट में कुल 192 याचिकाएं लंबित

बता दें के इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया, असम कांग्रेस के नेता देवब्रत सैकिया और असम की संस्था एजीवाईसीपी की तरफ से याचिका दाखिल कर सीएए नोटिफिकेशन पर रोक लगाने की मांग की गई है। आईयूएमएल (इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग) समेत सभी याचिकाकर्ताओंने अधिसूचना के कार्यान्वयन पर रोक की मांग की। इस याचिका में कहा गया है कि सीएए असंवैधानिक, मुसलमानों के खिलाफ भेदभावपूर्ण है।

शीघ्र सुनवाई शुरू की जाए : सिब्बल

सीएए पर संविधान पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल ने कहा कि तब अदालत ने इसलिए नहीं सुना था क्योंकि सरकार ने कहा कि अभी लागू नहीं हो रहा है। ऐसे में अब जब अधिसूचना जारी हो गई है तो शीघ्र सुनवाई शुरू की जाए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि चुनाव से पहले अधिसूचना पर विवाद का मतलब नहीं। ये संवैधानिक मामला है।

नेताओं के बीच मची रार

बता दें कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कुछ दिन पहले ही सीएए को लेकर विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे नकारात्मक प्रचार पर अपना रुख साफ किया था। उन्होंने कहा था कि एनआरसी और सीएए का कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने साथ ही ये भी कहा था कि ये कानून कभी वापस नहीं होगा। अमित शाह ने सीएए को लेकर कहा था कि जब विभाजन हुआ तो पाकिस्तान में 23 प्रतिशत हिन्दू थे, आज 3.7 प्रतिशत हैं। कहां गए सारे,इतने तो यहां नहीं आए, उनका धर्म परिवर्तन किया गया, अपमानित किया गया। वहीं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल द्वारा सीएए पर सवाल उठाने कि सीएए से बाहर के लोग आ जाएंगे, चोरी, रेप की घटनाएं बढ़ेंगी, नौकरियां छिन जाएंगी? इस पर अमित शाह ने कहा कि दिल्ली के सीएम उनका भ्रष्टाचार का मामला उजागर होने से आपा खो बैठे हैं। उन्हें ये नहीं पता कि वो तो आ चुके हैं और भारत में ही रह रहे हैं, इतनी चिंता है तो वे रोहिंग्या का विरोध क्यों नहीं करते। रोहिंग्या क्या नौकरी का अधिकार नहीं मार रहे, आप उनके लिए तो नहीं बोल रहे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।